www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 128 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
29 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:29
सूर्यास्तः 06:57
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07 »

विशेष समाचार | धुंधलाती गुरु-गरिमा को ... »पेज 04 | लखनऊ पहुंचे प्रदेशभर से ... »पेज 06 | बादशाह दूसरी बार लेंगे ...

राहुल गांधी ने प्रह्लाद जोशी पर बोला हमला, संसद में प्रियंका ने यही बात कही

'शिक्षा मंत्री रेपिस्ट का बचाव करते हैं'

'बच्चों के साथ अन्याय हो रहा', लोकसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा

चर्चा

- परीक्षा प्रणाली और शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर सहमति।
- विपक्ष ने 20 से अधिक पेपर लीक पर सरकार को घेरा।
- छात्र आंदोलन के दबाव में सरकार के झुकने का आरोप।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में परीक्षा संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान शिक्षा, छात्र आंदोलनों और सरकारी नीतियों को लेकर तीखी राजनीतिक बहस देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कई फैसलों पर जवाबदेही की मांग करते हुए युवाओं का भरोसा बहाल करने की आवश्यकता बताई। लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। संसद में प्रियंका गांधी ने कहा कि बच्चों पर लाठियां किसके आदेश पर चलाए गए, यह सवाल पूरा देश पूछ रहा है, अध्यापक, छात्र, माता-पिता पूछ रहे हैं सिर्फ कांग्रेस नहीं पूछ रही है। ये सदन सांसदों की जागीर नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रियंका ने पूछा- सरकार बताए पैलेट गन चलाने का ऑर्डर किसने दिया

बच्चों पर लाठीचार्ज किसके आदेश पर हुआ, इसका जवाब पूरा देश चाहता है। जनता ने सांसदों को अपनी सेवा और जवाबदेही के लिए चुना है।

छात्रों की मांग थी कि पेपर लीक के दोषियों पर कार्रवाई हो, शिक्षा माफिया हटे, मंत्री इस्तीफा दें और लाठीचार्ज के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई कर माफी मांगी जाए।

शिक्षा व्यवस्था की खामियों और पढ़ाई के दबाव से कई छात्र आत्महत्या या डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। परिवार कर्ज लेकर पढ़ाई कराते हैं, फिर भी नौकरी की गारंटी नहीं है।

प्रधानमंत्री को कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदलना पड़ेगा

राहुल बोले- रेपिस्ट का बचाव करने वाले शख्स को शिक्षा मंत्री बनाया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- देश के शिक्षा मंत्री के तौर पर BJP ने ऐसे व्यक्ति को चुना है जो बलात्कारियों का बचाव करता है। जो व्यक्ति यह कहे कि बलात्कारियों को सुरक्षा की जरूरत है। यह बहुत ही खराब बात है। आज देश के शिक्षा मंत्री वही हैं। पीएम का यह रवैया अजीब है, उनकी कैबिनेट में इतने सारे लोग हैं, वे उनमें से किसी को भी चुन सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना जो बलात्कारियों को बचाता है। वाकई हैरान करने वाली बात है।

प्रियंका गांधी पर कार्रवाई हो : प्रहलाद जोशी

प्रहलाद जोशी बोले- प्रियंका जी को अपने बयानों का सबूत देना चाहिए। इस अफवाह के संबंध में कार्रवाई की जानी चाहिए। क्या कोई कुछ भी कह सकता है और इससे बच सकता है? रिजिजू ने कहा- प्रियंका ने शिक्षा मंत्री पर जो टिप्पणी की वह चरित्र हनन है। इस तरह की भाषा का इस्तेमाल न करें। वह सीनियर लीडर हैं उन्हें जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहिए।

पुलिस ने पहले प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग कर घेरा, फिर उन पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इस कार्रवाई पर सरकार को जवाब देना चाहिए।

डिंपल यादव
समाजवादी पार्टी सांसद

पेपर लीक की घटनाएं आतंकवाद या माओवाद से कम खतरनाक नहीं हैं, हमारे युवा ही इसके मुख्य शिकार होते हैं। देश के युवाओं को भरोसा दिलाता हूं कि 'पेपर लीक' की इस समस्या का पक्का समाधान निकालेंगे। हर दूसरी चुनौती की तरह हम इस समस्या को भी हल करेंगे।

अनुराग ठाकुर
भाजपा सांसद

अखिलेश बोले- छात्रों को करंट लगाया, आंसू गैस छोड़े

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा में पेपर लीक संशोधन बिल पर कहा- सरकार वचन नहीं, जुमले देती है। जो लोग चढ़ावा नहीं बचा सके, वो पेपर लीक कैसे बचा पाएंगे? इन्होंने महापाप किया है। भगवान राम माफ नहीं करेंगे। अखिलेश ने कहा-इमरजेंसी में क्या-क्या हुआ, वह अभी दिल्ली में भी देखने को मिला। आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इस बार करंट लगाया गया। यह इमरजेंसी जैसा ही हमला था। इमरजेंसी के बाद भी परिवर्तन हुआ था। हमें भरोसा है कि इस बार भी परिवर्तन होगा। आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर अखिलेश ने कहा- इन्होंने (भाजपा) कोई सरकारी यूनिवर्सिटी नहीं बनाई। >> (शेष पेज 06 पर)

सीजेपी प्रोटेस्ट में खाना खिलाने वाले जुनैद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। CJP के जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों को खाना खिलाने वाले वालंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर करीब 6 घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून रोड़ पर सुनसान जगह पर छोड़ दिया। जुनैद का कहना है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए परेशान किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से परिवार के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले की कानून के मुताबिक जांच कराने की मांग की है। याचिका के मुताबिक, 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लगवाकर आरएमएल अस्पताल से लौट रहे थे। तभी पुलिस ने उसे उठा लिया और उनका मोबाइल फोन जबरन लेकर अनलॉक कराया गया और उसकी जांच की गई।

हिमाचल के चंबा में अचानक बाढ़ से पत्थरों का सैलाब

मलबा घरों में घुसा, चंडीगढ़ मे करंट से युवती की मौत

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया।

उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह जोरदार बारिश हुई। इससे जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी (PU) में मंगलवार सुबह PhD स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई।

- बंगाल से उत्तराखंड तक बादल छाए, एक हफ्ते बारिश का अलर्ट

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में प्रशासनिक फेरबदल, 41 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ, वाराणसी समेत कई जिलों में बदले नगर मजिस्ट्रेट

फेरबदल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सोमवार को लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, बुलंदशहर, पीलीभीत, मेरठ नगर मजिस्ट्रेटों समेत 41 पीसीएस अधिकारियों की तबादला कर दिया है। जगमोहन गुप्ता लखनऊ के नगर मजिस्ट्रेट बनाए गए हैं। ओएसडी अयोध्या महेंद्र कुमार सिंह को वाराणसी का नगर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। जौनपुर की एसडीएम बिन्दु लता को एडीएम न्यायिक कानपुर नगर के पद पर भेजा गया है।

आजमगढ़ के एसडीएम संजय चावला को इसी जिले में एडीएम प्रशासन बनाया गया है।एडीएम महोबा कुंवर पंकज को झांसी मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है।

- लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर बने तरुण गाबा एडीजी सुरक्षा से मिली नई जिम्मेदारी, अमरेंद्र के. सेंगर बने डीजी अभिसूचना

>> (शेष पेज 06 पर)

41 पीसीएस अधिकारियों का प्रदेश भर में तबादला।

जगमोहन गुप्ता बने लखनऊ के नए नगर मजिस्ट्रेट।

महेंद्र कुमार सिंह वाराणसी के नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त।

फास्ट न्यूज

हाईकोर्ट बोला- पति-पत्नी घर और बच्चे का खर्च मिलकर उठाएं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि अगर दोनों पार्टनर कमा रहे हैं, तो घर और बच्चे की पढ़ाई का खर्च दोनों को उठाना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस याचिका पर की, जिसमें एक पति ने पत्नी और नाबालिग बेटे के लिए तय मासिक गुजारा भत्ता कम करने की मांग की थी।

निर्देश | अपराध

डिजिटल अरेस्ट को अलग अपराध बनाने पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह डिजिटल अरेस्ट को आपराधिक कानून में औपचारिक रूप से परिभाषित करने और इसे कठोर सजा के साथ अलग अपराध घोषित करने पर विचार करे।

डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का एक बढ़ता हुआ रूप है, जिसमें जालसाज कानून लागू करने वाले अधिकारियों, अदालती कर्मचारियों या सरकारी एजेंसियों के कर्मियों के रूप में पेश होकर ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिए पीड़ितों को डराते हैं। वे पीड़ितों को बंधक बनाकर पैसे देने का दबाव बनाते हैं।

शरद पवार बोले- एनसीपी के दोनों गुट साथ नहीं आएंगे

नई दिल्ली। शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के फिर से साथ आने का कोई सवाल ही नहीं है। पवार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले NCP (शरद गुट) की सांसद सुप्रिया सुले और सांसद बजरंग सोनवणे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें : सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है।

- छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

>> (शेष पेज 06 पर)

वकीलों को कैशलेस इलाज देगी सरकार

गोरखपुर में योगी ने बार एसोसिएशन से कहा- आप लोग प्रस्ताव बनाइए

सुविधा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, गोरखपुर, लखनऊ। यूपी सरकार वकीलों का कैशलेस इलाज कराएगी। मंगलवार को सीएम योगी ने खुद इस बात के संकेत दिए। सीएम ने वकीलों से कहा- बार एसोसिएशन के साथ आप सब लोग मिलकर तय करें। हम कैशलेस और अन्य सुविधा देने को तैयार हैं। योगी दोपहर करीब 2 बजे गोरखपुर में सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। अगर सरकार इसे अमल में लाती है तो यूपी के करीब 5 लाख रजिस्टर्ड वकील हैं, जिन्हें कैशलेस इलाज की सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के 10 जिलों में जिला अदालतें तक नहीं थीं। उनकी सरकार ने एक साथ 3 हजार करोड़ रुपये मंजूर कर इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स की योजना शुरू की। >> (शेष पेज 06 पर)

- मुख्यमंत्री ने कहा कि बार एसोसिएशन और अधिवक्ता समुदाय के साथ मिलकर न्याय व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा। सरकार कैशलेस व्यवस्था सहित अन्य आधुनिक सुविधाएं देने के लिए तैयार है। उन्होंने अधिवक्ताओं को समाज का जागरूक प्रहरी बताते हुए कहा कि देश और समाज के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति लोगों को जागरूक करना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

रवि किशन बोले- पेपर लीक पर सख्त कानून लाए, दोषियों को 10 साल तक की सजा होगी

भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और वह काफी तकलीफ में हैं। उन्होंने कहा कि एक सांसद का काम कानून बनाना होता है और उनके जीवन में कानूनी विषयों का विशेष महत्व रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों में आने के बाद उन्हें वकील की भूमिका निभाने का भी अवसर मिला। रवि किशन ने बताया कि सरकार पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए नया सख्त कानून लेकर आई है। इस कानून में दोषियों के लिए 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना और 10 साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

तंज : राहुल गांधी, अखिलेश यादव, पेपर लीक कानून और जौहर यूनिवर्सिटी समेत कई मुद्दों पर साधा निशाना

यादव और मुस्लिम समाज सपा से दूरी बना रहा :ओपी राजभर

- पेपर लीक कानून और भर्ती प्रक्रिया पर भी साधा निशाना
- सीजेपी के बयान का किया उल्लेख
- वंदे मातरम् पर भी रखा पक्ष

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले के दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी, अखिलेश यादव, पेपर लीक कानून, जौहर यूनिवर्सिटी और वंदे मातरम् समेत कई मुद्दों पर अपनी पार्टी और सरकार का पक्ष रखा। कैबिनेट मंत्री ने दावा किया कि यादव और मुस्लिम समाज का एक वर्ग समाजवादी पार्टी से दूरी बना रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ओपी राजभर का विपक्ष पर तीखा हमला

'राहुल की ताकत बढ़ रही, अखिलेश की घट रही'

ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि हाल के छात्र आंदोलनों के बाद राष्ट्रीय राजनीति में राहुल गांधी की राजनीतिक ताकत बढ़ी है, जबकि अखिलेश यादव का प्रभाव कम हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के भीतर भी इस स्थिति को लेकर बेचैनी है और अखिलेश यादव केवल मुख्यमंत्री बनने की राजनीति कर रहे हैं।

राजभर ने सीजेपी के अभिजीत दीपके के बयान का हवाला देते हुए कहा कि राजनीतिक कार्यक्रम में अराजक तत्वों के शामिल होने के कारण पथराव हुआ, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

जौहर यूनिवर्सिटी और रामपुर के मुद्दे पर उठाए सवाल

जौहर यूनिवर्सिटी और आजम खान की पत्नी के बयान के संबंध में पूछे गए सवाल पर राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव और डिंपल यादव का रामपुर नहीं जाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी मुस्लिम समाज को अपना परंपरागत वोट बैंक मानकर चलती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि जौहर यूनिवर्सिटी का मामला सुलझाया जा सकता था तो समाजवादी पार्टी ने अपने शासनकाल में ऐसा क्यों नहीं किया।

छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी, तो बड़ा प्रदर्शन होगा

कॉकरोच जनता पार्टी चीफ दीपके की धमकी

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को कहा, 'अगर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं रुकी तो, वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में यह बात कही है। कॉकरोच जनता पार्टी ने हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था। इनकी मांगों में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग प्रमुख थी। 36 दिन बाद शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद धरना प्रदर्शन खत्म किया गया। इससे पहले मंगलवार को भी CJP ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चेतावनी दी थी कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी और गिरफ्तार छात्रों को राहत नहीं मिली, तो वह फिर से आंदोलन शुरू करेगी। दिल्ली में शाम को हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में CJP नेता आशुतोष रांका, सौरव दास के साथ सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल भी मौजूद थे।

- सीजेपी बोली- देश के अन्य राज्यों में छात्रों को गिरफ्तार किया जा रहा

>> (शेष पेज 06 पर)

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर लोकसभा में बोले सपा प्रमुख, पेपर लीक, एनटीए और शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

'छात्रों की एकता ने केंद्र को झुकाया'

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने लोकसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन ने यह साबित कर दिया कि संगठित युवा किसी भी सरकार को झुकाने की ताकत रखते हैं। उन्होंने आंदोलन में शामिल छात्रों और नई पीढ़ी की एकजुटता, मनोबल और शांतिपूर्ण प्रचार अभियान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। अखिलेश यादव ने कहा कि आंदोलन की सफलता के बाद देशभर में यह नारा गूंजा कि झुकती है सरकार, झुकाने वाला चाहिए। उनके अनुसार छात्रों के दबाव के कारण सरकार को अपनी नीतियों में बदलाव करना पड़ा। अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती किए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि परीक्षा जैसी संवेदनशील संस्था में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि आखिर वे लोग कौन थे जो एजेंसी में बैठकर गड़बड़ियां कर रहे थे और उनकी जिम्मेदारी किसकी थी।

सपा प्रमुख ने कहा कि यह आंदोलन केवल छात्रों तक सीमित नहीं रहा बल्कि उनके माता-पिता भी बड़ी संख्या में इसमें शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लगभग 20 लाख नीट अभ्यर्थियों और उनके परिवारों का भविष्य इस परीक्षा से जुड़ा था, इसलिए यह आंदोलन पूरे देश का आंदोलन बन गया।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर सरकार से मांगा जवाब

अखिलेश यादव ने कहा कि यदि वर्ष 2024 में पेपर लीक रोकने के लिए कानून बनाया गया था तो उसके बाद भी नीट पेपर लीक कैसे हुआ और वर्ष 2026 में छात्रों को आंदोलन क्यों करना पड़ा। उन्होंने सरकार से मांग की कि जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है, उन्हें सदन में स्पष्ट रूप से रखा जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल वादे नहीं बल्कि जुमले देती है और जब चुनाव या जनदबाव बढ़ता है तभी फैसले बदलती है।

'इतना बड़ा छात्र आंदोलन पहले कभी नहीं देखा'

- छात्रों की एकजुटता और शांतिपूर्ण आंदोलन की सराहना।
- सरकार पर युवाओं की आवाज दबाने का आरोप।
- कहा कि आंदोलन के दबाव में सरकार को झुकना पड़ा।
- करोड़ों छात्रों और अभिभावकों की भावनाओं का मुद्दा संसद में उठाया।

'उत्तर प्रदेश में 20 से ज्यादा परीक्षाओं के पेपर लीक हुए'

सपा प्रमुख ने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में 20 से अधिक भर्ती एवं बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए। उन्होंने दरोगा भर्ती, जूनियर इंजीनियर भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, टीईटी, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और सिपाही भर्ती परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित किया। सपा प्रमुख ने कहा कि रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को निशाना बनाया जा रहा है।

'धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत इसलिए हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री बच गए'

अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के अगले दिन जब वह संसद पहुंचे तो भाजपा सांसदों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक ₹प्रधान₹ को हटाकर सरकार ने ₹प्रधानमंत्री₹ को बचा लिया, इसलिए भाजपा सांसदों ने राहत की सांस लेते हुए उनका स्वागत किया।

यूक्रेन हमले में कानपुर के मर्चेंट नेवी अफसर की मौत

10 दिन बाद शव का इंतजार, पांच साल की बेटी बोली- पापा शिप पर हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में 18 जुलाई को ब्लैक सी में एक शिप पर किए गए हमले में कानपुर के रहने वाले मर्चेंट नेवी में चीफ आफिसर की मौत हो गई। वह कार्गो शिप से रूस के एक पोर्ट की ओर जा रहे थे। घटना 18 जुलाई को हुई थी, लेकिन परिजन अब तक उनके शव के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। हमले की जानकारी परिवार वालों को 21 जुलाई को उनके साथ काम करने वाले एक व्यक्ति द्वारा दी गई। इसके बाद डीजी शिपिंग कार्यालय से भी उनको घटना की जानकारी मिली। हादसे के 10 दिन बाद भी अभी तक शव भारत नहीं आ सका है। परिजनों ने जल्द से जल्द शव को लाए जाने की मांग की है। मृतक की पांच साल की बेटी को अभी भी अपने पिता के घर आने का इंतजार है। बेटी से पापा के बारे में पूछने पर कहती है कि पापा शिप पर है। मर्चेंट नेवी में चीफ आफिसर सागर गुप्ता (30) शास्त्री नगर के रहने वाले है। शहर के शास्त्री नगर निवासी सागर मुंबई की एवन नेवीगेटर्स नाम की कंपनी में चीफ आफिसर के पद पर कार्यरत थे। भाई मनीष गुप्ता ने बताया- 13 जून को वह घर से मुंबई के लिए गए, उसके बाद 17 जून को टर्की से शिप में चढ़े। 17 जुलाई के बाद से उनका किसी से संपर्क नहीं हुआ। इसी बीच 21 जुलाई को उनके साथ काम करने वाले एक व्यक्ति ने फोन करके बताया- हमले में उनकी मौत हो गई है। 23 जुलाई को डीजी शिपिंग कार्यालय से फोन करके उनको घटना की जानकारी दी गई।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में महिला से रेप

गोरखपुर। गोरखपुर में महिला से रेप का मामला सामने आया है। अधेड़ ने मंदिर के बाहर सो रही 35 साल की महिला के साथ जबरदस्ती की, फिर विरोध करने पर भाग गया। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई। घटना 24 जुलाई रात 11 बजकर 40 मिनट की है। मंगलवार को फुटेज से पहचान करके पुलिस ने आरोपी दीपक गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने के बाद वह गिड़गिड़ाने लगा।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में छात्रों का विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि, स्नातक और परास्नातक की सीटों में कटौती तथा विश्वविद्यालय प्रशासन पर भ्रष्टाचार के आरोपों के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने कुलपति की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली और पिंडदान कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने फीस वृद्धि वापस लो, सीट कटौती बंद करो₹ और भ्रष्टाचार बंद करो₹ जैसे नारे लगाए। छात्रों का कहना था कि लगातार फीस बढ़ने और सीटें कम होने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा हासिल करना मुश्किल होता जा रहा है।

सावन से पहले फूड विभाग अलर्ट

बाराबंकी। बाराबंकी में सावन शुरू होने से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अलर्ट हो गया है। प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम और अवसानेश्वर महादेव मंदिर सहित जिले के प्रमुख शिवालयों में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए कांवड़ यात्रा मार्गों पर पड़ने वाले होटल, ढाबों और खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच शुरू कर दी गई है।

भाजपा नेता की गाड़ी तोड़ने वाले 10 सीजेपी सपोर्टर गिरफ्तार

प्रयागराज में 2 सपा विधायक छुड़ाने थाने पहुंचीं

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के समर्थन में हुए प्रदर्शन के दौरान 25 जुलाई को जमकर तोड़फोड़ हुई थी। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को सीसीटीवी और वीडियो से पहचाने गए 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक माफिया अतीक अहमद के गढ़ मरियाडीह का रहने वाला है। इन सभी को शाम 5 बजे जेल भेज दिया गया।

इसका पता चलते ही सपा की प्रतापपुर विधायक विजमा यादव और सोरांव विधायक गीता पासी थाने पहुंचीं। उन्होंने पुलिस पर पकड़े गए युवकों को छोड़ने का दबाव बनाने की कोशिश की। लेकिन, पुलिस ने उन्हें समझाकर वापस भेज दिया। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- जब केंद्र सरकार ने वादा किया था कि किसी भी छात्र के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी, तो फिर ऐसी धोखाधड़ी क्यों? दरअसल, सोमवार सुबह प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम ने केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था- जो बच्चे NEET पेपर से संबंधित थे, उन लोगों ने यह काम नहीं किया। अगर आंदोलन के बीच में सपा के गुंडों ने कुछ किया है, तो उसकी जांच होगी।

दरअसल, प्रयागराज में 25 जुलाई को भाजपा नेताओं और अन्य लोगों के वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई थीं। फॉर्च्यूनर कार में तोड़फोड़ के मामले में हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं की 3 एफआईआर हुई हैं।

सहारनपुर-बुलंदशहर में अफसरों के बेडरूम में भरा पानी, यूपी के 55 शहरों में बारिश

सड़कें तालाब बनीं इंजीनियर सुपरवाइजर किए गए बर्खास्त

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। मंगलवार सुबह से नोएडा, मेरठ, अलीगढ़, आगरा समेत 55 शहरों में रुक-रुककर जोरदार बारिश हो रही है। सहारनपुर में तड़के 4 बजे झमाझम बारिश हुई। 2 घंटे की मूसलाधार बारिश से सड़कों पर 2-3 फीट तक जलभराव हो गया। डीएम ऑफिस कैंपस में घुटनों तक पानी भर गया।

ऑफिसर्स कॉलोनी में भी पानी घुस गया, जहां जिला जज, कमिश्नर, नगर आयुक्त जैसे बड़े अफसरों के आवास हैं। शहर की ज्यादातर कॉलोनियां तालाब बन गईं। नोएडा में सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। महिलाएं स्कूली बच्चों को कंधे पर बैठाकर चलती नजर आईं। बाइक-कार आधी डूब गईं। बुलंदशहर में भारी बारिश के बाद एसडीएम और जिला पंचायत राज अधिकारी समेत कई अफसरों के सरकारी आवासों में पानी भर गया। बेडरूम से लेकर बाथरूम तक जलभराव हो गया। हालात ऐसे बने कि पानी निकालने के लिए दमकल की गाड़ियों की मदद लेनी पड़ी। मेरठ में विकास प्राधिकरण के दफ्तर के परिसर में पानी घुस गया।

अयोध्या-बाराबंकी में घाघरा नदी चेतावनी स्तर के पार

केंद्रीय जल आयोग (CWC) के अनुसार अयोध्या और बाराबंकी में घाघरा नदी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है। नदी किनारे जाने से बचें और अनावश्यक आवाजाही न करें। स्थानीय प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

बुलंदशहर में बारिश से अफसरों के सरकारी आवास जलमग्न

बुलंदशहर में भारी बारिश के बाद एसडीएम दिनेश चंद के सरकारी आवास समेत कई अधिकारियों के घरों में पानी भर गया। बेडरूम से लेकर बाथरूम तक जलभराव हो गया। एसपी सिटी, सीओ सिटी, एसपी क्राइम, जिला पंचायत राज अधिकारी और जिला वन अधिकारी सहित करीब एक दर्जन अधिकारियों के आवास प्रभावित हुए। जलभराव का पानी निकालने के लिए दमकल की गाड़ियों की मदद लेनी पड़ी।

संभल में डेढ़ घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद शहर में कई जगह जलभराव हो गया। रोडवेज बस अड्डा परिसर पूरी तरह पानी में डूब गया। हालात ऐसे बने कि बसों को परिसर में ले जाने के बजाय सड़क पर ही रोकना पड़ा, ताकि यात्रियों को पानी से होकर न गुजरना पड़े।

नोएडा में जलभराव पर कार्रवाई, जेई और सुपरवाइजर की नौकरी गई

नोएडा के बरौला गांव में मंगलवार की बारिश के बाद सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया। जलभराव की समस्या पर लापरवाही मिलने के बाद नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने जेई पार्थ राठौड़ और सुपरवाइजर मांगेराम की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दीं। वहीं, दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। सीईओ ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोरखपुर में पड़ोसी टीचर के घर में मिली लाश, खेलते वक्त उठा ले गया था

ज्वैलरी कारोबारी के पोते की अपहरण के बाद हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के ज्वैलरी कारोबारी के 10 साल के पोते की मंगलवार को अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। लाश घर से 20 मीटर दूर रहने वाले पड़ोसी के घर में बोरे में भरी मिली। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि वैभव वर्मा सोमवार शाम को लापता हो गया था। वह स्कूल से घर लौटा। फिर साइकिल लेकर घर के बाहर खेलने चला गया। करीब 30 मिनट बाद परिवार को सूचना मिली कि बच्चे की साइकिल लावारिस हालत में पड़ी है। परिवार के लोग भागते हुए पहुंचे। आसपास तलाश की तो थोड़ी दूरी पर बच्चे की एक चप्पल मिली। परिवार ने पूरे इलाके में तलाश की। स्कूल, दोस्तों, रिश्तेदारों में पता किया। पुलिस को सूचना दी।

पुलिस फॉरेंसिक, डॉग स्कवॉयड के साथ मौक पर पहुंची। सीसीटीवी चेक किए तो बच्चा पड़ोस में रहने वाले कम्प्यूटर टीचर के साथ जाते दिखाई दिया। पूछताछ की गई तो उसने अपहरण के बाद हत्या की बात कबूल कर ली।

आरोपी की निशानदेही पर घर के बेसमेंट से बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्लास 4 में पढ़ता था, अपहरण के शक पर पुलिस के पास पहुंचा परिवार

खजनी कस्बे में लक्ष्मी नारायण वर्मा रहते हैं। इनकी गिनती इलाके के सबसे बड़े ज्वैलरी कारोबारी में होती हैं। लक्ष्मी नारायण के बेटे हनुमान का सबसे छोटा बेटा वैभव नवल्स एकेडमी से चौथी क्लास में पढ़ाई करता था। सोमवार दोपहर 1:30 बजे वैभव स्कूल से लौटा। घर पहुंचकर बैग रखा और यूनिफॉर्म बदलकर साइकिल लेकर घर से निकलने लगा। दादी ने वैभव से खाना खाने के लिए कहा तो उसने कुछ देर में आने की बात कही। करीब 30 मिनट बाद एक पड़ोसी ने घर आकर बताया कि वैभव की साइकिल घर के पीछे पड़ी हुई है। दादी घर से 50 मीटर दूर पहुंची तो वैभव नहीं दिखा। आसपास तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। दादी ने परिवार को सूचना दी। वैभव के पिता और परिवार के बाकी लोग भी 20-25 मिनट में आ गए। उन्होंने तलाश शुरू की तो जहां साइकिल मिली थी, उससे 100 मीटर दूर खाली खेत में वैभव की एक चप्पल पड़ी हुई थी। परिवार को अपहरण का शक हुआ। तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सीसीटीवी में बच्चा पड़ोसी के साथ जाता दिखा, पूछताछ की तो जुर्म कबूला

इस बीच पुलिस को एक CCTV में वैभव खेत में दिखाई दिया। उसके साथ एक शख्स और था। वैभव आगे-आगे चल रहा था। पीछे-पीछे वह शख्स नजर आ रहा था। पुलिस ने वैभव के पिता को बुलाया। उन्होंने उस शख्स की पहचान 4-5 घर छोड़कर रहने वाले सर्वेश भट्ट के रूप की। पुलिस ने सर्वेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस का कहना है कि घर से निकलने के बाद वैभव को सर्वेश मिला। उसे साथ चलने को कहा। क्योंकि, सर्वेश पड़ोसी था। उससे रोज मिलता-जुलता था। इसलिए वैभव उसके साथ चला गया। कुछ देर दोनों घूमते रहे। फिर सर्वेश, वैभव को अपने घर लाया।

'जंतर-मंतर पर जो हुआ, यह हमारे संस्कार नहीं'

वाराणसी में राज्यपाल का दिल्ली आंदोलन पर बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिल्ली में जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा, वहां क्या-क्या हुआ, सभी ने देखा। क्या यह हमारा संस्कार है। आपने देखा, आप जैसे ही लोग थे। क्या-क्या कह रहे थे। क्या संस्कार हैं। हमें देश के नेतृत्वकर्ता के रूप में होना चाहिए और उसी की जरूरत है।

राज्यपाल ने यह बातें महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय का 48वां दीक्षांत समारोह में कहीं। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में हुए समारोह में आनंदीबेन पटेल ने 26 छात्रों को स्वर्ण पदक और डिग्री दी। जिसमें से 17 छात्रों को दो-दो मेडल मिला है। मेडल देने के दौरान राज्यपाल सभी छात्रों से बात कर उनका हौंसला बढ़ाती हुई और शुभकामनाएं देती हुई दिखीं। समारोह के मुख्य अतिथि शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया, मुम्बई के सीएमडी कैप्टन बीके त्यागी मौजूद हैं। अति विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी मंच पर मौजूद हैं। समारोह के शुरुआत में कुलपति प्रो. आनंद त्यागी ने विश्वविद्यालय का उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने डिग्री हासिल करने वाले छात्रों को चार संपकल्प दिलाए। राज्यपाल ने कहा कि मुझे एक बात पसंद आती है कि पदक पाने वालों में बेटियों की संख्या ज्यादा है। पदक और उपाधि पाने वाले में बेटियां ही आगे हैं।

मांग : पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की

किसानों का तीसरे दिन धरने का असर खाद मिला शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के लालपुर-करौता रमुवापुर मोड़ स्थित गंगा खाद भंडार के बाहर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को लगातार तीसरे दिन धरने के बाद शुरू हुआ खाद बांटना शुरू कर दिया। यह धरना ब्लॉक अध्यक्ष निर्मल कुमार वर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल पर डटे रहे और खाद की कथित कालाबाजारी, निर्धारित मूल्य से अधिक दाम वसूले जाने, पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद किसानों को खाद उपलब्ध न कराने व अधिक मूल्य बिक्री के आरोप लगाए। किसानों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि इस समय धान की फसल अपनी महत्वपूर्ण अवस्था में है और यूरिया खाद की अत्यधिक आवश्यकता है। ऐसे समय में किसानों को समय पर खाद न मिलने से खेती प्रभावित हो रही है और उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। उनका कहना था कि कुछ खाद विक्रेता किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर मनमानी कर रहे हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। धरना स्थल पर मौजूद किसान नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र के सभी खाद विक्रेताओं के स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर, पीओएस मशीन के रिकॉर्ड तथा मूल्य सूची की गहन जांच कराई जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और यदि कहीं अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

धरना दे रहे किसानों का आरोप

धरना दे रहे किसानों का आरोप है कि गंगा खाद भंडार के संचालक मोहम्मद करीम सहित अन्य दुकान द्वारा लगभग 266.50 प्रति बोरी निर्धारित मूल्य वाली यूरिया खाद को 500 प्रति बोरी तक बेचा जा रहा है। किसानों का कहना है कि जब वे सरकारी निर्धारित मूल्य पर खाद की मांग करते हैं तो उन्हें खाद देने से मना कर दिया जाता है। इतना ही नहीं, विरोध करने पर कथित रूप से तरह-तरह की धमकियां भी दी जाती हैं। किसानों का आरोप है कि दुकानदार द्वारा यह तक कहा गया कि खाद उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को एक भी बोरी खाद नहीं दी जाएगी।

किसानों ने दावा किया कि दुकान के स्टॉक संबंधी मशीन में करीब 522 बोरी खाद उपलब्ध दिखाई जा रही थी, जबकि अलग-अलग गोदामों में लगभग 1000 बोरी खाद रखी होने की जानकारी मिली। इसके बावजूद किसानों को खाद उपलब्ध नहीं कराई गई। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि धरना शुरू होने के बाद रातों-रात दूसरे गोदाम में रखी खाद को वहां से हटा दिया गया। किसानों ने इसकी भी जांच कराए जाने की मांग उठाई।

सरयू-घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे

ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर स्थित सरयू-घाघरा नदी का जलस्तर पिछले दिनों लगातार बढ़ने से तलहटी के गांवों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया था। नदी के उफान से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया था और लोग अपने घरों से जरूरी सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुट गए थे। प्रशासन भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए था।

हालांकि अब सरयू-घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है, जिससे ग्रामीणों ने कुछ राहत की सांस ली है। इसके बावजूद नदी का पानी उतरने के बाद निचले और खाली क्षेत्रों में अब भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। खेतों में और मार्गों पर पानी भरा होने से किसानों की फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, वहीं कई संपर्क मार्गों पर भी कीचड़ और जलभराव के कारण आवागमन के लिए समस्याएं बनी हुई है।

ग्रामीण राजेश , छोटू, सर्वेश , राम दुलारे आदि का कहना है कि जलस्तर कम होने के बावजूद खतरा पूरी तरह टला नहीं है। यदि नदी के ऊपरी क्षेत्रों में लगातार बारिश होती है और दोबारा अधिक पानी छोड़ा जाता है, तो बाढ़ की स्थिति फिर से उत्पन्न हो सकती है। इसी आशंका को देखते हुए लोग पूरी तरह सतर्क हैं और नदी के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। तटवर्ती गांवों के लोग प्रशासन से लगातार निगरानी बनाए रखने तथा संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते राहत एवं बचाव की तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की हानि से बचा जा सके। फिलहाल जलस्तर में कमी आने से राहत जरूर मिली है, लेकिन जलभराव और दोबारा बाढ़ आने की आशंका के चलते क्षेत्र के लोगों में चिंता बनी हुई है। प्रशासन भी हालात पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने की बात कह रहा है।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दबोचा गया, जलालपुर में मुठभेड़ के दौरान पैर में लगी गोली

फायरिंग कर भाग रहा था 15 हजार का इनामी

तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद करीब 15 मुकदमों का है आरोपी

कार्रवाई

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जलालपुर पुलिस ने सोमवार शाम मुठभेड़ के दौरान 15 हजार के इनामी बदमाश निखिल यादव उर्फ हैपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वाहन चेकिंग के दौरान रोकने का प्रयास किए जाने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार होने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे मौके से

गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मालीपुर थाना क्षेत्र के करीमपुर मंसूरपुर निवासी निखिल यादव उर्फ हैपी के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार उसकी गिरफ्तारी पर 15 हजार का इनाम घोषित था।

मुठभेड़ की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित करते हुए मामले की जांच नियमानुसार आगे बढ़ाई जा रही है।

> पुलिस के अनुसार आरोपी की ओर से फायरिंग किए जाने के बाद आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की गई। इस दौरान एक गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे कब्जे में लेकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

वाहन चेकिंग के दौरान हुआ आमना-सामना

क्षेत्राधिकारी जलालपुर अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार शाम करीब छह बजे जलालपुर पुलिस सुधारनगर-गौसपुर करौंदी मार्ग पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक को रोकने का संकेत दिया गया। पुलिस के मुताबिक, युवक ने रुकने के बजाय फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया।

- जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली
- 15 हजार का इनामी, कई मामलों में था वांछित
- तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद

प्रारंभिक जांच में उसके विरुद्ध जिले के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट सहित करीब 15 आपराधिक मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। उसके आपराधिक इतिहास का विस्तृत सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसा-इकिल बरामद करने का दावा किया है। बरामद सामान को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धागा मिल से रोजगार तक: ग्रामीण युवाओं के सपनों को नई पहचान

पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने कौशल प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा-अकबरपुर मार्ग स्थित पार्थ थ्रेड प्राइवेट लिमिटेड अब केवल धागा उत्पादन तक सीमित नहीं रह गई है। संस्थान में संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) का प्रशिक्षण केंद्र जिले के ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रहा है। मंगलवार को पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने प्रशिक्षण केंद्र और उत्पादन इकाई का निरीक्षण कर प्रशिक्षण व्यवस्था तथा रोजगार से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान पूर्व सांसद ने प्रशिक्षण ले रहे युवक-युवतियों से संवाद किया और प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अवधि तथा रोजगार की व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सरकारी

योजनाओं की सफलता तभी मानी जाएगी, जब उनका लाभ सीधे जरूरत-मंद परिवारों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां प्रशिक्षण और रोजगार को जोड़ने का प्रयास जमीनी स्तर पर दिखाई देता है। प्रशिक्षण केंद्र में आर्थिक रूप से कमजोर और बीपीएल परिवारों के युवक-युवतियों को बुनाई और सिलाई का तीन माह का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रशिक्षित युवाओं को बेंगलुरु, पुणे सहित देश के विभिन्न औद्योगिक शहरों की टेक्सटाइल कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। पार्थ थ्रेड प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक अंकित कुमार पांडेय ने बताया कि संस्थान का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह रोजगार आधारित है। उन्होंने कहा कि तीन माह के प्रशिक्षण के बाद अधिकतम प्लेसमेंट सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है। अब तक करीब आठ हजार युवक-युवतियां यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या विभिन्न टेक्सटाइल कंपनियों में कार्यरत है। संस्थान का उद्देश्य युवाओं को कौशल के साथ सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना है। पूर्व सांसद ने धागा उत्पादन इकाई का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें आधुनिक तकनीक से कपास से धागा तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

फास्ट न्यूज

प्रयागराज में जौहर विवि के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान

प्रयागराज। प्रयागराज में जौहर विश्वविद्यालय के समर्थन में आवाजें उठनी शुरू हो गई हैं। रामपुर में स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय जो सपा नेता आजम खान ने बनाया था, उसके समर्थन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। छात्रों ने विश्वविद्यालय पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी का विरोध किया है।

कूलर में करंट से 12 साल के बच्चे की मौत

फतेहाबाद। आगरा के थाना बाह क्षेत्र के बड़ागांव में सोमवार रात कूलर में उतरे करंट की चपेट में आने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार बड़ागांव निवासी देवराज (12) पुत्र बंटी अपनी दादी कुसुवा देवी के साथ गांव में रहता था। उसके पिता दिल्ली में एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। सोमवार शाम घर में रखे कूलर में अचानक करंट आ गया। इसी दौरान देवराज कूलर के संपर्क में आ गया और तेज करंट की चपेट में आकर उससे चिपक गया।

गाजियाबाद में ढकी जाएंगी शराब की दुकानें

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को लेकर आबकारी विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 30 जुलाई 2026 से शुरू होने वाली यात्रा से पहले कांवड़ मार्ग पर स्थित शराब और भांग की सभी दुकानों को बाहर से ढका जाएगा। ये दुकानें बंद नहीं रहेंगी, बल्कि केवल उनकी बाहरी दृश्यता को कवर किया जाएगा, ताकि कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान बना रहे।

'नशे के नेटवर्क पर होगी निर्णायक चोट'

एनकॉर्ड समिति की बैठक में डीएम ने तय की रणनीति

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय एनकॉर्ड (नेशनल नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन) समिति की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में मादक पदार्थों की रोकथाम, तस्करी पर नियंत्रण, जागरूकता अभियान और विभिन्न विभागों के समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु और अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एनडीपीएस अधिनियम के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार में

शामिल लोगों के विरुद्ध प्रभावी और सतत अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि अवैध परिवहन के संभावित मार्गों पर निगरानी बढ़ाई जाए और अधिक से अधिक बरामदगी सुनिश्चित करते हुए दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए।

बैठक में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने, नशा मुक्ति अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने के निर्देश दिए।

बारिश के साथ बढ़ा सर्पदंश का खतरा चार महीने में 380 लोग बने शिकार

12 लोगों की मौत, पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की सहायता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में मानसून के साथ सर्पदंश की घटनाओं में तेजी आई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से 25 जुलाई तक 380 लोगों को सांप ने काटा, जबकि 12 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों के परिजनों को शासन की ओर से पिछले वित्तीय वर्ष से अब तक चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सर्पदंश की घटनाओं में सबसे अधिक वृद्धि जून और जुलाई माह में दर्ज की गई। अधिकांश मामले ग्रामीण क्षेत्रों से सामने आए हैं, जहां खेतों, जलभराव वाले स्थानों और झाड़ियों के आसपास काम करने के दौरान लोगों को सांपों ने काटा।

विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के मौसम में बिलों में पानी भरने के

कारण सांप सुरक्षित स्थानों की तलाश में बाहर निकल आते हैं। ऐसे में खेतों, मेड़, झाड़ियों और जलभराव वाले क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के लिए सर्पदंश का खतरा बढ़ जाता है।

महामारी विशेषज्ञ डॉ. सुल्तान ने कहा कि किसी भी संदिग्ध अथवा असामान्य मृत्यु की स्थिति में पोस्टमार्टम अवश्य कराया जाना चाहिए। इससे मृत्यु के वास्तविक कारण की पुष्टि होती है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर सरकारी सहायता मिलने की प्रक्रिया भी आसान हो जाती है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान खेतों, झाड़ियों और जलभराव वाले स्थानों पर काम करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी व्यक्ति को सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक या घरेलू उपचार के बजाय तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सकीय उपचार कराएं।

ब्रिज के नीचे अव्यवस्था, बस स्टॉप पर लगा भीषण जाम

स्कूल खुलते ही थमी रफ्तार, हजारों छात्र जाम में फंसे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर के मध्य स्थित बस स्टॉप और ओवरब्रिज के नीचे सोमवार सुबह भीषण जाम लग गया। स्कूल खुलने के समय यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। जाम के कारण हजारों छात्र-छात्राएं और अभिभावक लंबे समय तक फंसे रहे। मौके पर यातायात पुलिस या अन्य सुरक्षा कर्मी नजर नहीं आए, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि ओवरब्रिज के नीचे अवैध रूप से वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। इसके अलावा परिवहन विभाग की खाली बसें भी यहीं खड़ी कर दी जाती हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और सुबह-शाम यातायात प्रभावित रहता है।

ब्रिज के नीचे और आसपास सेंट पीटर्स, बीएन इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज और सेंट जॉन्स सहित कई

शिक्षण संस्थान संचालित हैं। इन विद्यालयों में दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों छात्र प्रतिदिन आते हैं। विद्यालय खुलने और छुट्टी के समय वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति और गंभीर हो जाती है।

सोमवार सुबह जाम इतना लंबा हो गया कि वाहनों की कतार ओवरब्रिज तक पहुंच गई। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं ब्रिज पर ही फंसे रहे। इससे स्कूल पहुंचने में देरी हुई और अभिभावकों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों ने ब्रिज के नीचे अवैध पार्किंग और खड़े वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारु कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं के लिए बनी सुविधा पर कब्जे का आरोप, बैठने तक को तरस रहे फरियादी

सीएमओ कार्यालय का वेटिंग रूम फरियादियों से दूर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में फरियादियों की सुविधा के लिए बनाए गए वातानुकूलित वेटिंग रूम के उपयोग को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि आम नागरिकों और शिकायतकर्ताओं के लिए बनाए गए इस कक्ष पर वाहन चालकों का कब्जा है। ऐसे में कार्यालय आने वाले लोगों को बैठने तक की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

आरोप है कि पूर्व सीएमओ के स्थानांतरण के बाद वेटिंग रूम का उपयोग अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप नहीं हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब इस कक्ष का इस्तेमाल वाहन चालक विश्राम कक्ष के रूप में कर रहे हैं।

वाहन चालकों का बना विश्राम कक्ष!

कमरे में कुर्सियां और बेड रखे जाने की भी बात कही जा रही है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यदि कोई फरियादी वेटिंग रूम में बैठने का प्रयास करता है तो उसे वहां से हटाया जाता है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि इस दौरान वाहन चालक की ओर से अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। आम लोगों का कहना है कि अन्य सरकारी कार्यालयों में वाहन चालकों के लिए इस प्रकार की अलग वातानुकूलित व्यवस्था नहीं है। ऐसे में फरियादियों के लिए बनाए गए वेटिंग रूम का दूसरे उद्देश्य से उपयोग किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। कार्यालय आने वाले लोगों ने मांग की है कि फरियादियों की सुविधा के लिए बनाए गए वेटिंग रूम का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए सुनिश्चित कराया जाए, ताकि शिकायत लेकर आने वाले नागरिकों को बैठने और प्रतीक्षा करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

फरियादियों के लिए बना था वातानुकूलित वेटिंग रूम

जानकारी के अनुसार, पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यकाल में कलेक्ट्रेट की तर्ज पर फरियादियों और शिकायतकर्ताओं को गर्मी व बारिश से राहत देने के उद्देश्य से कार्यालय परिसर में वातानुकूलित वेटिंग रूम की व्यवस्था कराई गई थी। इसका उद्देश्य कार्यालय आने वाले लोगों को प्रतीक्षा के दौरान बैठने की सुविधा उपलब्ध कराना था।

सीमांकन का पिलर उखाड़ने पर बढ़ा विवाद, विरोध करने पर मारपीट

भूमि विवाद में चार पर मुकदमा दर्ज, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ घटना का वीडियो

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र के हंसवर बाजार में भूमि सीमांकन को लेकर विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि राजस्व विभाग की ओर से लगाए गए सीमांकन पिलर उखाड़ दिए गए। विरोध करने पर दो लोगों के साथ मारपीट की गई। घटना का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हंसवर निवासी पंकज साहू ने बताया कि उनकी पत्नी सरिता के नाम हंसवर बाजार में करीब एक बिस्वा भूमि की रजिस्ट्री हुई थी। नामांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद राजस्व और पुलिस टीम की मौजूदगी में भूमि की पैमाइश कर सीमांकन के लिए पिलर लगाए गए थे। पीड़ित के अनुसार, 25 जुलाई

को महेंद्र, यशोदा, चंदा और आलोक ने सीमांकन के लिए लगाए गए पिलर उखाड़ दिए। आरोप है कि अगले दिन जब उन्होंने इसका विरोध करते हुए कारण पूछा तो चारों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान उनके साथ मौजूद गुड्डू के साथ भी मारपीट की गई। पंकज साहू का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें झूठे दलित उत्पीड़न के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। घटना के बाद उन्होंने हंसवर थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घायल को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने उसे भी संज्ञान में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो सहित अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर मामले के सभी पहलुओं का परीक्षण किया जाएगा।

मूल विद्यालय वापसी की मांग पर शिक्षामित्रों का आंदोलन तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शिक्षामित्र शिक्षक संघ ने मूल विद्यालय वापसी स्थानांतरण की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। संघ के पदाधिकारियों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्थानांतरण प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि निर्धारित समय तक मांग पूरी नहीं होने पर एक अगस्त से जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

संघ के जिलाध्यक्ष एवं शिक्षामित्र केयर समिति के जिला संयोजक राम चंदर मौर्य तथा जिला महामंत्री मोहम्मद मोसीर खान ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मांगपत्र सौंपा। उन्होंने शिक्षामित्रों के मूल विद्यालय वापसी स्थानांतरण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग उठाई। राम चंदर मौर्य ने कहा कि यदि 31 जुलाई 2026 तक मूल विद्यालय वापसी स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं

- 31 जुलाई तक कार्रवाई न होने पर एक अगस्त से जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना देने की चेतावनी

की गई तो शिक्षामित्र शिक्षक संघ एक अगस्त से जिला मुख्यालय स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेगा। संघ का कहना है कि लंबे समय से मूल विद्यालय वापसी की मांग लंबित है। यदि समय रहते इस पर निर्णय नहीं लिया गया तो शिक्षामित्र चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

निर्देश : निर्माणाधीन पुल, गड्ढों और क्षतिग्रस्त सड़कों की समीक्षा विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

कांवड़ यात्रा से पहले डीएम सख्त दो दिन में दुरुस्त होंगे प्रमुख मार्ग

> जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि दो दिन बाद सभी चिन्हित कांवड़ मार्गों का दोबारा स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों का सत्यापन करें। इसके बाद अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के साथ पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। 30 जुलाई से शुरू हो रहे सावन मास और कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कलेक्ट्रेट में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर चिन्हित कांवड़ यात्रा मार्गों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और दो दिन के भीतर प्रमुख मार्गों को श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए सुगम बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सेतु निगम, बस्ती के अधिकारियों को मया-टांडा मार्ग पर निर्माणाधीन ऊपरिगामी पुल के पहुंच मार्ग को दो दिन के भीतर आवागमन योग्य बनाने

के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्गों का नियमित निरीक्षण करते रहें। उन्होंने कहा कि सभी मार्ग सुरक्षित, सुदृढ़ और पूरी तरह आवागमन योग्य बनाए जाएं, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग के साथ सेतु निगम, एनए-चएआई, जल निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएचएआई और जल निगम को भी तय समयसीमा

जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को एनएच-135ए पर बने गड्ढों की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए। वहीं जल निगम को लोक निर्माण विभाग की क्षतिग्रस्त सड़कों को दो दिन के भीतर दुरुस्त कराने के लिए कहा, ताकि पूरे यात्रा मार्ग पर यातायात सुचारु बना रहे।

बेसिक स्कूलों का बदला समय, सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक चलेगी कक्षाएं

बीएसए ने तत्काल प्रभाव से जारी किया आदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में संचालित कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से आदेश जारी करते हुए सभी विद्यालयों का संचालन सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक करने के निर्देश दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य

- सभी बोर्डों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालयों पर होगा लागू

बोर्डों से संचालित कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यालयों में नया समय लागू रहेगा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को आदेश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय निर्धारित समय के अनुसार ही संचालित किए जाएं।

सम्पादकीय

प्रदर्शन का प्रोटोकॉल

कॉंग्रेस जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कोई नई-अनोखी बात नहीं कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है। इससे सभी परिचित हैं, लेकिन समस्या यह है कि कई बार शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बहाने अराजकता का सहारा लिया जाता है-कभी खुलकर और कभी दबे-छिपे ढंग से। यही सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुआ। सीजेपी के समर्थक जब तक जंतर-मंतर पर बैठे रहे, तब तक कहीं कुछ नहीं हुआ। बात तब बिगड़ी, जब वे बिना अनुमति संसद की ओर कूच करने पर अड़ गए और पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद बैरिकेडिंग तोड़ने और लांघने लगे।

इतना ही नहीं, सीजेपी समर्थकों की भीड़ में शामिल अराजक तत्वों ने पुलिस से धक्का-मुक्की और मारपीट करने के साथ उस पर पथराव भी शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस के पास आंसू गैस के गोले छोड़ने एवं लाठीचार्ज करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि वह भारी भीड़ का अनुमान नहीं लगा सकी और संभवतः उससे निपटने के पर्याप्त प्रबंध भी नहीं कर सकी। इसके ही नतीजे में उसकी ओर से अत्यधिक बल प्रयोग हुआ।

यही बाद में एक मुद्दा बन गया तो इसलिए और भी, क्योंकि कई छात्र-छात्राएं भी उसकी सख्ती की चपेट में आए और रैपिड एक्शन फोर्स की ओर से पैलेट गन का भी इस्तेमाल हुआ। इसके बाद भी इस तथ्य की अनदेखी न की जाए कि संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस की सख्ती पर सवाल उठाए, वहीं पुलिसकर्मियों पर हमले का भी संज्ञान लिया। चूंकि अपने समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्वों के घुस आने की बात सीजेपी के पदाधिकारियों ने खुद भी मानी थी, इसलिए वे यह नहीं कह सकते कि उनका संसद मार्च पूरी तौर पर शांतिपूर्ण था। उनकी ओर से यह अल्टीमेटम देना विचित्र है कि यदि उनके समर्थकों पर एफआइआर दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी का सिलसिला नहीं थमा तो वे फिर से धरने पर बैठ जाएंगे। यदि वे यह चाहते हैं कि पुलिस हिंसा फैलाने वाले तत्वों को भी बख्श दे तो यह अराजकता के खुले समर्थन के अलावा और कुछ नहीं। क्या सरकार ने उनसे यह वादा किया था कि वह अराजक तत्वों के खिलाफ भी कुछ नहीं होने देगी? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करे कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के नाम पर अराजक तत्व बचने न पाएं। सुप्रीम कोर्ट ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का प्रोटोकाल बनाने की जो आवश्यकता जताई, उसकी पूर्ति वह स्वयं ही करे तो बेहतर। उसे यह भी देखना होगा कि इस प्रोटोकाल का पालन भी हो, क्योंकि अब शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान अराजकता का भी परिचय दिया जाने लगा है।

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुनःस्थापित करने का महापर्व

> यदि हम विश्व को अधिक शांतिपूर्ण, मानवीय और संतुलित बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। नई विश्व-व्यवस्था का निर्माण आध्यात्मिक मूल्यों पर ही संभव है।

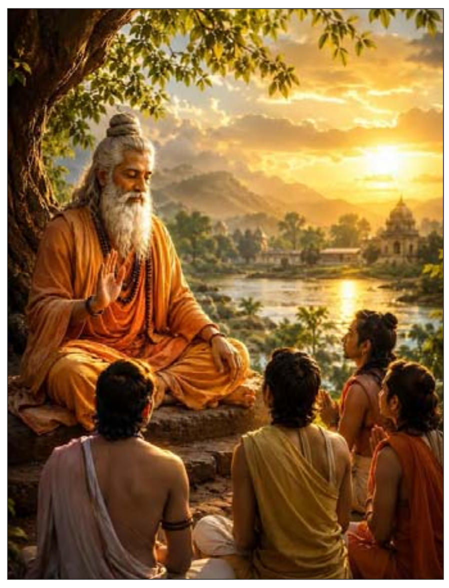

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है-गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः'-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया।

भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान-परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन-दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है।

मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश-स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन-दृष्टि से मुझे बार-बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ-प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वर्तमान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णतः व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु-शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार-बार नई दिशा, नई चेतना और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं।

आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और तकनीकी विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन क्या मनुष्य पहले से अधिक शांत, संतुलित और संवेदनशील हुआ है? उत्तर सहज नहीं है। ज्ञान बढ़ा है, परंतु विवेक घटा है। सूचना का विस्फोट हुआ है, लेकिन आत्मबोध का अभाव गहराया है। तकनीक ने गति दी है, पर दिशा देने वाला गुरु दुर्लभ होता जा रहा है। यही आधुनिक समय का सबसे बड़ा संकट है। आज शिक्षा संस्थान डिग्रियां दे रहे हैं, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखा पा रहे। प्रतियोगिता बढ़ रही है, पर सहयोग घट रहा है। सफलता की दौड़ तेज हुई है, पर संतोष पीछे छूट गया है।

ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि जीवन की दिशा सुधारने का राष्ट्रीय और वैश्विक अभियान बनना चाहिए। गुरु का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वह केवल सफलता नहीं सिखाता, सार्थकता सिखाता है। वह केवल लक्ष्य तक पहुँचने की विधि नहीं बताता, बल्कि यह भी बताता है कि लक्ष्य कैसा होना चाहिए। गुरु मनुष्य को बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर की दुनिया को जीतना सिखाता है। आत्मसंयम, विनम्रता, सेवा, करुणा और सत्यनिष्ठा जैसे गुण गुरु के सान्निध्य में ही विकसित होते हैं। भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा के अनुपम उदाहरणों से भरा पड़ा है। श्रीराम ने वशिष्ठ और विश्वामित्र से मर्यादा सीखी। श्रीकृष्ण ने संदीपनि से शिक्षा ग्रहण की और स्वयं अर्जुन के जीवन में गुरु बनकर उसे कर्मयोग का संदेश दिया। भगवान महावीर के गणधर गौतम, भगवान बुद्ध के आनंद और गुरु नानक के उत्तराधिकारी गुरु अंगद इस बात के प्रमाण हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, वह नया व्यक्तित्व गढ़ता है। लेकिन आज गुरु की गरिमा अनेक कारणों से धूमिल हुई है। कुछ कथित गुरुओं ने अध्यात्म को प्रदर्शन, चमत्कार और व्यापार का माध्यम बना दिया है। श्रद्धा का स्थान प्रचार ने ले लिया है। आध्यात्मिकता की जगह बाजारवाद ने प्रवेश कर लिया है। ऐसे वातावरण में विवेकपूर्वक गुरु का चयन अत्यंत आवश्यक है। संतों ने ठीक ही कहा है-'पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।' गुरु वह नहीं जो भीड़ जुटाए, बल्कि वह है जो व्यक्ति के भीतर चरित्र, साहस और आत्मविश्वास का निर्माण करे।

सच्चा गुरु कभी अपने व्यक्तित्व का प्रचार नहीं करता। उसका जीवन ही उसका संदेश होता है। वह अपने अनुयायियों को स्वयं पर आश्रित नहीं बनाता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधभक्ति नहीं, आत्मजागरण सिखाता है। उसका मौन भी शिक्षा होता है और उसका आचरण सबसे बड़ा उपदेश। आज आवश्यकता केवल अच्छे गुरुओं की नहीं, बल्कि अच्छे शिष्यों की भी है।

- ललित गर्ग

सृजनशील बनना

हमारे किसी भी रचनात्मक काम की जन्मस्थली कल्पना है। हमारे मन में पहले एक योजना की कल्पना उठती है। वह फिर उसे लिपिबद्ध करने के लिए हमारी कलम चलती है। वह उस पर अच्छी तरह चिन्तन मनन होता है , तब उस कार्य के लिए मानसिकता क्रियान्विति के लिए आगे बढती है। हम इस पृष्ठभूमि को तकनीकी भाषा में सृजनात्मक कल्पनाशीलता कहते हैं । किसी भी कार्य की जन्म स्थली मन की कल्पना होती है।हमारे मन में ना जाने कितनी कल्पनायें बनती है और ख़त्म होती है।वह उन्हीं में से एकाध कल्पना हमारे मन में स्थिर होती है और फिर उसके ऊपर हमारा चिंतन-मंथन चलता है। हम कोई भी नया कार्य को सफलता पाने के लिये उस कल्पना के बारे में दिन रात चिंतन मंथन करते रहें और जंहा कमियां लगे उसे सुधारते रहें । वह धीरे धीरे हमारा वो प्रयास एक सकारात्मक रूप लेकर हमारे सामने प्रस्तुत होता है। यह सही बात हैं कि कुछ सोचेंगे तो तो कुछ नया करेंगे।वह अगर हम सोचेंगे ही नहीं तो क्या करेंगे। वैसे तो हज़ारों उदाहरण हैं पर में एक उदाहरण दे रहा हूं । एक फ़िल्म का लेखक सबसे पहले एक विषय पर फ़िल्म बनाने का चिंतन करता है।वह फिर उस पर कहां -कहां क्या सीन डालने हैं उस पर चिंतन करते करते फिर एक फ़िल्म की कहानी तैयार होती है। सृजनात्मक कल्पनाशीलता के सहारे बड़े से बड़े, छोटे से छोटे सभी काम क्रियान्वित होते हैं। इस तरह की सृजनात्मक कल्पनाशीलता को कर्मशील जीवन का एक अहम पहलू कह सकते हैं। वह इसके बिना प्राप्त सफलता को हम एक इत्तेफाक ही समझते हैं। मैंने कहीं पढ़ा था कि कत्थक सम्राट बिरजू महाराज कहते हैं मैं सोते-जागते, उठते-बैठते सृजनात्मक कल्पनाशीलता में सही से विचरण करता रहता हूं । वह मुझे पता ही नहीं चलता कब कौन सी नई मुद्रा मेरी तैयार हो जाती है।आज मैं जिस जगह पर हूं उसे सकरात्मक कल्पनाशीलता का ही परिणाम कह सकता हूं । वह इसका दूसरा ज्वलन्त उदाहरण गुरुदेव तुलसी का है । उनका सारा जीवन ही सृजनात्मक कर्मशीलता में लगा रहा । हमको बड़े सौभाग्य से मानव का दुर्लभ जीवन मिलता है । मन की गति सबसे तीव्र है। मस्तिष्क मे ही इतनी शक्ति है जो उसे सृजनात्मक मोड़ दे सकता है।

- प्रदीप छाजेड़

कांग्रेस के मीडिया ...

कुमार कृष्णन

बिहार में छात्र आंदोलन, पुलिस कार्रवाई और लोकतांत्रिक असहमति के बदलते मायने

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत केवल चुनाव नहीं होती, बल्कि यह भी होती है कि नागरिक बिना भय के सरकार से सवाल पूछ सकें। विशेष रूप से छात्र आंदोलन किसी भी लोकतांत्रिक समाज की जीवंतता का प्रमाण माने जाते हैं। विश्वविद्यालयों और सड़कों पर उठने वाली आवाजें केवल तत्कालीन मुद्दों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वे भविष्य की राजनीति, नीतियों और सामाजिक चेतना को भी प्रभावित करती हैं। इसलिए जब किसी छात्र आंदोलन का उत्तर व्यापक गिरफ्तारियों, कठोर धाराओं और पुलिस बल से दिया जाता है, तब प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक चरित्र का बन जाता है।

नीट परीक्षा में कथित धांधली, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर बिहार में शुरू हुआ छात्र आंदोलन अब राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बन चुका है। बिहार बंद के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा, पथराव और आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। सरकार और पुलिस का कहना है कि इन्हीं घटनाओं के आधार पर कानून के अनुरूप कार्रवाई की जा रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों, छात्र संगठनों और नागरिक अधिकार समूहों का आरोप है कि हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने के बजाय पूरे आंदोलन को अपराध की तरह देखा जा रहा है। पटना में 22 और 25

जुलाई की घटनाओं के बाद 24 एफआईआर दर्ज की गईं और 258 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 87 छात्रों को आधी रात में न्यायिक पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर बेउर केंद्रीय कारागार भेज दिया गया। बाद में राज्य के अन्य जिलों में भी गिरफ्तारियों का सिलसिला तेज हुआ। छपरा, भागलपुर, सासाराम और अन्य जिलों में भी बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है तथा कानून से ऊपर कोई नहीं है।

लेकिन इस कार्रवाई के तरीके ने बहस को जन्म दिया है। आधी रात को छात्रों को न्यायिक पदाधिकारी के आवास पर प्रस्तुत करना, बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां, सोशल मीडिया पर संदिग्धों की तस्वीरें जारी करना और लगातार छापेमारी—इन सबने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या राज्य आंदोलन को नियंत्रित करने की बजाय उसे अपराधीकरण की दिशा में ले जा रहा है? यही कारण है कि इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तीखी हुई हैं। सांसद पप्पू यादव ने लोकसभा में छात्रों के समर्थन में तख्तियां लेकर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने सवाल उठाया, ₹क्या अपने हक और न्याय के लिए आवाज उठाना कोई गुनाह है?₹ उनका कहना था कि प्रदर्शन करने वाले बच्चों और बेटियों के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। उनके अनुसार लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को पुलिस बल से दबाने का प्रयास भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार का पहला दायित्व परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष बनाना, पेपर लीक रोकना और शिक्षा व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है। यदि इसके बजाय भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों पर मुकदमे दर्ज किए जाएं, लाठीचार्ज हो और उन्हें जेल भेजा जाए, तो यह लोकतंत्र की भावना के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने युवाओं के साथ हो रहे व्यवहार को अमानवीय बताते हुए सरकार से दमन के बजाय संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने भी बिहार में छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विशेष रूप से सीवान में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित गोलीबारी और अत्यधिक बल प्रयोग की निंदा करते हुए कहा कि युवाओं के साथ जिस प्रकार की कार्रवाई की जा रही है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के विरुद्ध अत्यधिक बल प्रयोग किया गया और इस पूरे घटनाक्रम पर केंद्र तथा राज्य सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने गृह मंत्री से संसद में इस मामले पर विस्तृत वक्तव्य देने की मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र में छात्रों की आवाज का उत्तर संवाद से दिया जाना चाहिए, न कि भय और दमन से। कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा पीड़ित छात्रों को न्याय दिलाने की भी मांग की है।

रवि अग्रहरि ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अमेठी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना स्वावलंबन का पर्याय

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (एमवाईयूवीए) राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नवोन्मेष तथा स्वावलंबन की नई क्रांति का सूत्रपात कर रही है। प्राकृतिक संसाधनों और वनांचल से समृद्ध जनपद सोनभद्र में यह अभियान युवाओं के सपनों को साकार कर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को एक नई और सकारात्मक दिशा दे रहा है। प्रदेश सरकार का मूल ध्येय राज्य के प्रत्येक युवा को इतना सशक्त, आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है कि वे न केवल अपने रोजगार का सृजन करने में सक्षम हो सकें अपितु रोजगार प्रदाता का स्वाभिमान भी अर्जित कर सकें। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से शिक्षित, प्रशिक्षित और प्रतिभावान युवाओं को सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित करने हेतु व्यापक वित्तीय तथा संस्थागत संबल प्रदान किया जा रहा है, जिससे जनपद के युवाओं में एक नया आत्मविश्वास और उद्यमशीलता का जज्बा जागृत हुआ है। जनपद सोनभद्र में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन एवं सतत अनुश्रवण में इस जनकल्याणकारी योजना का अत्यंत प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। विभागीय स्तर पर आयोजित जागरूकता शिविरों, परामर्श कार्यक्रमों एवं बैंक समन्वय बैठकों के माध्यम से योजना के प्रावधानों, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की सटीक जानकारी दूर-दराज के ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के पात्र युवाओं तक पहुँचाई जा रही है। जनपद सोनभद्र निवासी युवा उद्यमी रवि अग्रहरि की सफलता की गाथा इस बात का जीवंत और सशक्त प्रमाण है कि सुदृढ़ इच्छाशक्ति तथा शासकीय प्रोत्साहन के संयोजन से युवा वर्ग अपने सपनों को साकार करते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था में अमूल्य योगदान दे सकता है। रवि अग्रहरि लंबे समय से स्वरोजगार के बेहतर अवसरों की खोज में प्रयासरत थे। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक जागरूकता शिविर में उन्हें इस युगांतकारी अभियान की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। शिविर में उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी कुशलता और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया और 'हेल्थ नेचुरल थेरेपी सेंटर' की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की। प्रस्ताव के समुचित परीक्षण के उपरांत स्थानीय बैंक शाखा द्वारा रवि अग्रहरि को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण शीघ्रता से स्वीकृत किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सुलभ कराई गई इस त्वरित वित्तीय सहायता एवं तकनीकी मार्गदर्शन की बदौलत रवि अग्रहरि ने आवश्यक मशीनरी, आधुनिक उपकरण एवं फर्नीचर क्रय कर अपने सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया। उच्च गुणवत्तायुक्त सेवाओं और सामाजिक प्रतिबद्धता के बल पर उनका यह थेरेपी सेंटर अत्यंत कम समय में जनपद सोनभद्र में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हो गया। वर्तमान में उनके व्यवसाय का निरंतर विस्तार हो रहा है, जिससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी व्यापक और गुणात्मक सुधार आया है।

जरा हटके

प्रदेश की सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्ग के निर्माण से सुदृढ़ कनेक्टिविटी की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

किसी भी राज्य के समग्र एवं संतुलित विकास का आधार उसकी सुदृढ़ आधारभूत संरचना होती है तथा सड़क संपर्क इसका सबसे महत्वपूर्ण घटक है। गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित सड़क नेटवर्क न केवल आवागमन को सुगम बनाता है, बल्कि व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन, निवेश तथा रोजगार के अवसरों को भी नई गति प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है। इसी क्रम में सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण एवं आधुनिकीकरण का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। राज्य की सीमाएं नेपाल सहित उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड तथा बिहार जैसे राज्यों से जुड़ी हुई हैं। इन सीमाओं के माध्यम से प्रतिदिन लाखों नागरिकों, व्यापारिक वाहनों एवं पर्यटकों का आवागमन होता है। ऐसे में सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का उच्च गुणवत्ता वाला विकास प्रदेश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ राष्ट्रीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसी को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कुल 158 सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का चयन पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण के लिए किया गया है। इन मार्गों की कुल लंबाई 2877 कि0मी0 है, जो प्रदेश के दूरस्थ गांवों, सीमावर्ती क्षेत्रों एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों को बेहतर संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश

सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इन मार्गों के विकसित होने से कृषि उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं एवं आवश्यक सेवाओं का परिवहन अधिक तीव्र, सुरक्षित एवं किफायती होगा। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश सरकार द्वारा 4330.35 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस निवेश के अंतर्गत केवल सड़क निर्माण ही नहीं, बल्कि आवश्यकतानुसार पुल एवं पुलियों का निर्माण, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधान, सुदृढ़ तथा दीर्घकालिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है। यह निवेश प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली आधारभूत संरचना विकसित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। प्रदेश सरकार की इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। चयनित 158 मार्गों में से 126 मार्ग पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि शेष परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सभी कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों एवं समयसीमा के अनुरूप पूर्ण कराने के लिए सतत निगरानी एवं नियमित समीक्षा की जा रही है।

प्रदेश सरकार केवल उत्कृष्ट सड़क नेटवर्क के निर्माण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले प्रत्येक नागरिक एवं पर्यटक को एक सकारात्मक एवं आकर्षक अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य की अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय सीमाओं पर भव्य स्वागत द्वारों के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 143 मार्गों पर स्वागत द्वारों का निर्माण कराया जा रहा है, जिस पर लगभग 232.99 करोड़ की लागत व्यय की जा रही है। अब तक 83 स्वागत द्वारों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष पर कार्य प्रगति पर है। इन स्वागत द्वारों की रूपरेखा में आधुनिक स्थापत्य कला के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का समावेश किया गया है। इससे उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले यात्रियों, पर्यटकों एवं निवेशकों पर राज्य की सकारात्मक एवं विकसित छवि का प्रभाव पड़ता है।

सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के विकास से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्राप्त हो रही है। विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा आयात-निर्यात की प्रक्रिया अधिक सुगम एवं समयबद्ध हुई है। बेहतर सड़क संपर्क से परिवहन लागत में कमी आने के साथ-साथ मालवाहक वाहनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे प्रदेश की औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को भी बल मिला है। प्रदेश सरकार द्वारा विकसित किया जा रहा यह आधुनिक सड़क नेटवर्क पर्यटन क्षेत्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। अयोध्या धाम, काशी, मथुरा-वृंदावन सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। पड़ोसी राज्यों से सड़क मार्ग द्वारा आने वाले यात्रियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित संपर्क मार्ग तथा आकर्षक स्वागत द्वार उनके यात्रा अनुभव को और अधिक सहज एवं यादगार बना रहे हैं, जिससे पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रदेश के अन्तर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में विकसित हो रहा यह सुदृढ़ सड़क नेटवर्क राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बेहतर सड़क संपर्क से सुरक्षा एजेंसियों एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों की त्वरित आवाजाही सुनिश्चित होती है, जिससे किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई संभव हो पाती है।

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री थे, खुदकुशी या हादसा, लखनऊ पुलिस जांच कर रही

पूर्व मंत्री विधायक आवास की 7वीं मंजिल से गिरे, मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में नए विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिरकर पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पूर्व मंत्री ने खुदकुशी की या हादसा हुआ, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अभी किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। मौके से मिले साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर घटना के कारण पता किए जा रहे हैं। नानकदीन भुर्जी का जन्म 1 जुलाई, 1970 को हुआ था। उन्होंने 11 सितंबर, 1988 को इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने के बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की। लंबे समय से वह भाजपा में पिछड़ा वर्ग राजनीति का सक्रिय चेहरा थे। संगठन के साथ सरकार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। साल- 2004 में नानकदीन भुर्जी को लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) का सदस्य नामित किया गया। बसपा सरकार में (दिसंबर 2006) उन्हें राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त) बनाया गया। साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का सलाहकार नियुक्त किया गया। एक फेसबुक पोस्ट में नानकदीन ने लिखा था- मेरे घर की हालत बहुत नाजुक थी। साल- 1988 से लेकर 2025 तक मैंने भुर्जी जाति के कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया।

नानकदीन भुर्जी भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री थे। उनकी अक्सर डिप्टी सीएम केशव मौर्य से मुलाकात होती रहती थी।

56 साल के नानकदीन भाजपा के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री थे। उन्होंने हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा नाम का संगठन भी बनाया था, जिसके वह राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। मामला मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे हजरतगंज थाना क्षेत्र का है।

पुलिस बोली- डिप्रेशन में थे नानकदीन

लखनऊ पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को दारुलशफा के नए विधायक आवास के व्यवस्था अधिकारी ने नानकदीन के गिरने की सूचना चौकी प्रभारी को दी। इस पर चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल नानकदीन को सिविल अस्पताल भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि नानकदीन पिछले काफी समय से अवसाद (डिप्रेशन) से पीड़ित थे। उन्हें अक्सर नए विधायक निवास परिसर में घूमते हुए देखा जाता था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बोले- हम कार्यालय में थे

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा- हम लोग प्रदेश कार्यालय में मौजूद थे। तभी सूचना मिली कि पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी नए विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिर गए हैं। हम लोग तुरंत वहां जाने के लिए निकले। लेकिन, रास्ते में ही पता चला कि उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि उनका निधन हो चुका है। नानकदीन भुर्जी 7वीं मंजिल से कैसे गिरे और किन परिस्थितियों में यह घटना हुई, इस बारे में कोई कुछ पता नहीं है। नानकदीन भुर्जी लखनऊ के मदेयगंज (खदरा) के रहने वाले थे। घर में पत्नी मंजू देवी, 2 बेटे उत्तम, शनि और एक बेटी है। तीनों बच्चों की अभी शादी नहीं हुई है।

यूपी में 2982 टीजीटी शिक्षकों का अंतिम चयन परिणाम घोषित

14 विषयों का रिजल्ट जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती विज्ञापन संख्या-01/2022 के तहत 14 विषयों के कुल 2,982 पदों का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परिणाम पूरी पारदर्शिता और नियमबद्ध प्रक्रिया के तहत जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि 15 विषयों के कुल 3,539 पदों के लिए लिखित परीक्षा 3 और 4 जून 2026 को आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा परिणाम के आधार पर 30 जून 2026 को डेढ़ गुना अभ्यर्थियों को अभिलेख परीक्षण के लिए सफल घोषित किया गया था। अब उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड नियमावली-1998 के नियम 12(8) के तहत 14 विषयों का अंतिम चयन परिणाम घोषित किया गया है। इनमें हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू, शारीरिक शिक्षा, कृषि, संगीत गायन, संगीत वादन, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, संस्कृत, वाणिज्य एवं कला विषय शामिल हैं। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://upesc.up.gov.in/ पर अपना परिणाम, विषयवार-श्रेणीवार कट-ऑफ और प्राप्तांक देख सकते हैं। अभ्यर्थी अनुक्रमांक और जन्मतिथि डालकर एक सप्ताह तक अपने अंक देख सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियों का संस्था आवंटन नियमावली के नियम 12(10) के तहत अधिमानता क्रम के आधार पर किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

कंगना का जलता पुतला छीनकर भागे इंस्पेक्टर

लखनऊ । मंगलवार को कांग्रेस ने भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनोट के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। शाम करीब 6:15 बजे कांग्रेसी पार्टी कार्यालय से कंगना रनोट के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़े। पुलिस ने उन्हें करीब 50 मीटर की दूरी पर बैरिकेडिंग करके रोक लिया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कंगना का पुतला फूंक दिया। इस पर पुलिस से उनकी धक्का-मुक्की होने लगी।

केशव प्रसाद मौर्य ने गुरु पूर्णिमा पर देश व प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरु पूर्णिमा के पावन व पुनीत अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह विशेष दिन हमारे जीवन को प्रेरित करने, मार्गदर्शन करने और ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले सभी सम्मानित गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। यह पर्व हमारे जीवन को सार्थक बनाने और सही राह दिखाने वाले गुरुओं के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन है।

450 करोड़ के बैंक फ्रॉड में ईडी का एक्शन

लखनऊ । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ आंचलिक कार्यालय ने करीब 450 करोड़ रुपए के बैंक ऋण घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मेसर्स संतोष ओवरसीज लिमिटेड (SOL), उसके प्रमोटरों, निदेशकों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में स्थित 10 परिसरों पर एक साथ छापेमारी की।

25 वर्षों से बंद पड़े देश के शुरुआती ऑफ ग्रिड सोलर प्लांट को मिलेगा नया जीवन

तमसा संकेत, संवाददाता

स्व. कल्पनाथ राय की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को देंगे नई पहचान, नामकरण एवं प्रतिमा स्थापना का भी प्रस्ताव:मंत्री ए के शर्मा

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय कल्पनाथ राय की पुण्यतिथि के अवसर पर उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने उनके योगदान को स्थायी सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्री श्री शर्मा के प्रयासों से वर्ष 1992 में मऊ जनपद के सरायसादी, घोसी में स्थापित देश के शुरुआती 100 किलोवाट ऑफग्रिड सोलर प्लांट को नई पहचान देने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत इस ऐतिहासिक सोलर प्लांट का नामकरण स्व. कल्पनाथ राय के नाम पर किए जाने तथा परिसर में उनकी स्मृति में प्रतिमा स्थापित किए जाने की पहल की जा रही है, ताकि ऊर्जा क्षेत्र में उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियां भी स्मरण कर सकें। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के प्रयासों से लगभग 25 वर्षों से बंद पड़े इस सोलर प्लांट के पुनर्जीवन एवं आधुनिकीकरण की भी शुरुआत की जा रही है। प्रस्ताव है कि जर्जर हो चुके इस संयंत्र को आधुनिक तकनीक से विकसित कर इसकी क्षमता को लगभग 50 गुना बढ़ाते हुए 5 मेगावाट किया जाएगा और इसे एक अत्याधुनिक 'सौर ऊर्जा पार्क' के रूप में विकसित किया जाएगा।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन तथा नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय और क्रांतिकारी उपलब्धियां हासिल की है।

खराब सड़कों की तत्काल मरम्मत, जलभराव रोकने और स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

'बरसात और कांवड़ यात्रा की तैयारियों में कोई कमी न रहे'

- विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं, समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करें अधिकारी : ए.के. शर्मा
- जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करें, जनप्रतिनिधियों की शिकायतों का प्राथमिकता पर करें निस्तारण

कांवड़ मार्गों पर विद्युत सुरक्षा, पेयजल, प्रकाश एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद प्रभारी मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर बरसात, श्रावण मास में प्रस्तावित कांवड़ यात्रा तथा विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मंत्री श्री शर्मा ने लोक निर्माण विभाग को वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने तथा जल निगम को पाइपलाइन कार्यों के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निकायों को जलभराव रोकने, नालों-नालियों की नियमित सफाई तथा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक स्वच्छता अभियान, फॉगिंग एवं एंटी-लार्वा छिड़काव प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री शर्मा ने कांवड़ मार्गों पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया कि सभी कांवड़ मार्गों पर विद्युत लाइनों एवं पोलों का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल पूरे किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। उन्होंने किसानों को निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

> बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाए, जिन पर मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार से किसानों की आय, रोजगार और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा निवेश

युवाओं एवं महिला उद्यमियों का बढ़ा रुझान : केशव प्रसाद

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत रु15.08 करोड़ के 8 नए निवेश प्रस्तावों को अप्रेजल समिति की संस्तुति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने, कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने, किसानों की आय में वृद्धि तथा व्यापक रोजगार सृजन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नीति के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं। निवेश प्रस्तावों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के प्रति निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश, औद्योगिक विकास, कृषि मूल्य संवर्धन, रोजगार सृजन तथा किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को नई गति मिलेगी और उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी खाद्य प्रसंस्करण राज्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत उत्साहजनक है कि प्रदेश के नवयुवकों का रुझान पारम्परिक एवं पुश्तैनी व्यवसायों से आगे बढ़कर आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की ओर बढ़ रहा है। साथ ही महिला उद्यमी भी इस क्षेत्र में बढ़-चढ़कर निवेश कर रही हैं, जो प्रदेश में उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए सुरक्षित, अनुकूल एवं आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

8 नवीन निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को गोमतीनगर स्थित रेशम निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त रू 15.08 करोड़ की कुल प्रस्तावित निवेश राशि वाले 8 नवीन निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण के उपरांत सभी प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की संस्तुति की गई।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि संबंधित निवेशक निर्धारित समयावधि के भीतर बैंक अप्रेजल, आयकर एवं जीएसटी रिटर्न सहित सभी आवश्यक अभिलेख विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि प्रस्तावों का आगामी स्तर पर समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

नए संग्रहालयों की स्थापना की जा रही : जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए 07 संग्रहालय निर्माणाधीन -जयवीर सिंह

लखनऊ। प्रदेश में निर्माणाधीन संग्रहालय परियोजना के तहत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नए संग्रहालयों की स्थापना की जा रही है। यह पहल प्रदेश की समृद्ध विरासत को संरक्षित की जाएगी। साथ ही पर्यटकों को शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। संस्कृति विभाग उ0प्र0 द्वारा 07 प्रमुख संग्रहालय निर्माणाधीन है। इनमें गोरखपुर, बाराबंकी, वाराणसी, कौशांबी एवं सुल्तानपुर, अयोध्या, लखनऊ तथा बिजनौर के संग्रहालय शामिल है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने मंगलवार को बताया कि गोरखपुर में गोरखा संग्रहालय, गोरखा रेजीमेंट के शौर्य बलिदान एवं सैन्य इतिहास पर केंद्रित ऐतिहासिक दस्तावजे, सैन्य उपकरण और गोरखा योद्धाओं की वीर गाथाएं संग्रहीत की जाएगी। इसी प्रकार पद्म श्री बाबू केडी सिंह की स्मृति में बाराबंकी में संग्रहालय का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा संत रविदास संग्रहालय एवं सांस्कृतिक केन्द्र वाराणसी में निर्माणाधीन है, जिसमें संत रविदास के जीवन, उपदेशों और भक्ति आंदोलन में उनके योगदान को समर्पित होगा।

उन्होंने बताया कि जिला संग्रहालय कौशांबी एवं सुल्तानपुर का भी निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें कौशांबी और सुल्तानपुर के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व पर केंद्रित प्राचीन काल से लेकर आधुनिक इतिहास से जुड़े दस्तावेज प्रदर्शित किए जाएंगे।

चर्चा : मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में बुनकर प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

योगी सरकार बुनकरों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध

20 किलोवॉट तक योजना के विस्तार, बिजली दरों में राहत और पुराने बकाया बिलों के समाधान पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

विद्युत फ्लैट रेट योजना में सुधार पर गंभीरता से हो रहा विचार

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के बुनकरों के हितों के संरक्षण, उनकी समस्याओं के समाधान तथा हथकरघा एवं पावरलूम उद्योग को नई मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, खादी भवन, डालीबाग, लखनऊ के सभाकक्ष में प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में हथकरघा विभाग की अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजना के संबंध में प्रदेश के बुनकर प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी भी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए बुनकर प्रतिनिधियों ने विद्युत दरों, फ्लैट रेट योजना, विद्युत बिलों में विसंगतियों, बकाया राशि, सब्सिडी, लोड वृद्धि, मीटरिंग तथा नए विद्युत कनेक्शन से संबंधित समस्याओं और सुझावों को विस्तार से रखा। बैठक में बुनकरों के हित में संचालित अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजना के दायरे को वर्तमान 0 से 5 किलोवॉट से बढ़ाकर 0 से 20 किलोवॉट तक किए जाने के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि 0 से 5 किलोवॉट श्रेणी के बुनकरों के लिए वर्तमान व्यवस्था में किसी प्रकार का प्रतिकूल परिवर्तन नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित विस्तार से 5 से 20 किलोवॉट क्षमता वाले पावरलूम बुनकरों को भी योजना का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

योजना का 20 किलोवॉट तक विस्तार स्वागतयोग्य

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में लगभग 95 हजार से अधिक विद्युत कनेक्शन 0 से 5 किलोवॉट श्रेणी में हैं, जो कुल पावरलूम कनेक्शनों का लगभग 94 प्रतिशत हैं। बुनकर प्रतिनिधियों ने छोटे बुनकरों के हितों को प्राथमिकता देने, उन्हें बड़े बुनकरों से अलग श्रेणी में रखने तथा विद्युत दरों में और अधिक राहत प्रदान करने की मांग रखी। प्रतिनिधियों ने कहा कि योजना का 20 किलोवॉट तक विस्तार स्वागतयोग्य है।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तैयार करेंगी दो करोड़ तिरंगे

हर घर तक पहुंचेगा राष्ट्रगौरव और महिलाओं को मिलेगा आजीविका का नया संबल

तमसा संकेत, संवाददाता

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हाथों बनेगा तिरंगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) द्वारा हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत प्रदेश के 75 जनपदों को कुल 2 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महाअभियान में मिशन से जुड़े 50,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगों का निर्माण करेंगी। इससे ग्रामीण महिलाओं को अतिरिक्त आजीविका एवं आय का अवसर प्राप्त होगा, वहीं प्रदेश के प्रत्येक घर तक राष्ट्रध्वज पहुंचाने के राष्ट्रीय अभियान को भी नई गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। तिरंगा निर्माण के माध्यम से हजारों ग्रामीण महिलाओं को सम्मानजनक आय का अवसर मिलेगा तथा वे राष्ट्र निर्माण के इस महाअभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगी।

उप मुख्यमंत्री के निर्देशो के क्रम में सभी जनपदों को निर्देशित किया गया है कि अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाया जा सके और प्रदेश के प्रत्येक घर तक राष्ट्रध्वज सम्मानपूर्वक पहुंचाया जा सके।

मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार ने सभी जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों एवं जिला मिशन प्रबंधन इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि जनपदवार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से समयबद्ध एवं गुणवत्ता-पूर्ण तिरंगा निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उत्पादन, गुणवत्ता, आपूर्ति एवं भुगतान की नियमित समीक्षा करते हुए अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में तैयार किए गए तिरंगे संबंधित सरकारी विभागों, सरकारी संस्थानों, स्थानीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

लखनऊ पहुंचे प्रदेशभर से सैकड़ों कोटेदार

घेराव

अगस्त में राशन न बांटने की चेतावनी, विधानसभा घेरने से पहले पुलिस ने रोक लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लंबित मांगों को लेकर प्रदेशभर से सैकड़ों कोटेदार मंगलवार को राजधानी लखनऊ पहुंच गए। वे चारबाग से निकलकर विधानसभा घेराव करने जाने लगे। पुलिस ने उन्हें चारबाग पर ही रोक लिया। कोटेदार चारबाग से विधानसभा तक पैदल मार्च निकालने की तैयारी में थे, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया गया। इसके बाद सभी प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया गया।

ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन से जुड़े कोटेदार मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने पहुंचे हैं। संगठन ने साफ किया है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया तो अगस्त में पूरे प्रदेश में राशन वितरण नहीं किया जाएगा। इस आंदोलन की घोषणा पहले ही विभिन्न जिलों में बैठकों के माध्यम से की जा चुकी है।

कोटेदारों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में कोटेदारों को प्रति कुंतल 90 रुपए लाभांश दिया जाता है। हरियाणा सरकार अपने कोटेदारों को प्रति कुंतल 200 रुपए लाभांश देती है। इतनी ही राशि दिल्ली सरकार भी अपने कोटेदारों को देती है जबकि गोवा सरकार अपने कोटेदारों को प्रति कुंतल 230 रुपए लाभांश देती है। गुजरात सरकार कोटेदारों को 2,000 रुपए मिनिमम इनकम गारंटी दे रही है। कई अन्य राज्य भी यूपी से कई गुना अधिक लाभांश दे रहे हैं।

ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि कम कमीशन की वजह से कोटेदारों के समक्ष इस भीषण महंगाई में रोजी-रोटी की समस्या हमेशा बनी रहती है। गुजरात, तमिलनाडु और केरल आदि राज्यों में कोटेदारों को मानदेय दिया जाता है। लिहाजा, महंगाई से निपटने के लिए यूपी में

ये हैं कोटेदारों की प्रमुख मांगें

कोटेदारों ने सरकार के सामने कई मांगें रखी हैं। इनमें सबसे प्रमुख मांग लाभांश (कमीशन) बढ़ाकर 200 रुपए प्रति क्विंटल किए जाने की है। उनका कहना है कि दूसरे राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश में मिलने वाला कमीशन काफी कम है।

इसके अलावा, नवंबर 2021 में कोरोना काल के दौरान हुए मुफ्त राशन वितरण का बकाया भुगतान, बाजार मूल्य पर वितरित खाद्यान्न की लंबित फंडिंग और गेहूं खरीद के दौरान जमा कराई गई खाली बोरियों का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है। इन सभी बकायों का तत्काल भुगतान करने की मांग की गई है।

> संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो अगस्त महीने में पूरे प्रदेश में राशन वितरण नहीं किया जाएगा। कोटेदारों का कहना है कि ऐसी स्थिति में राशन वितरण प्रभावित होने की जिम्मेदारी शासन और संबंधित विभाग की होगी।

20 साल छोटे प्रेमी के लिए पति को छोड़ा

इंस्टाग्राम पर दोस्ती में बिहार से लखीमपुर आई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी । इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 38 साल की महिला 18 साल के प्रेमी के लिए बिहार से लखीमपुर आ गई। गांव के लोगों ने महिला के पति को यह बात बताई, तो वह भी बच्चों को लेकर यहां आ गया। पहले 2 दिन गांव में और सोमवार को पूरे दिन पुलिस स्टेशन पर समझाने-बुझाने का दौर चला, लेकिन महिला पति के साथ जाने को राजी नहीं हुई। आखिर में पति बच्चों को लेकर बिहार लौट गया। वहीं, युवक का कहना है कि महिला ने शादी और बच्चों के बारे में पहले नहीं बताया था। महिला ने बताया कि पति कुछ कमाता नहीं था। बच्चे उसके थे, वही जिम्मेदारी उठाए। मामला नीमगांव थाना क्षेत्र का है।

बिहार के रहने वाले प्रद्युम्न ने बताया- मैं मजदूरी करता हूं। 15 साल पहले मेरी शादी सुमन कुमारी उर्फ लवली से हुई थी। हमारे 3 बच्चे आदित्य (14) परसराज (8) और रूही (6) हैं। सुमन घर पर रहकर वीडियो बनाती और सोशल मीडिया पर पोस्ट करती थी।

वीडियो पोस्ट करने के दौरान करीब 6 महीने पहले सुमन की लखीमपुर के रहने वाले पवन (18) से दोस्ती हो गई। पवन सोनीपत में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। इसके बाद करीब 3 महीने पहले सुमन (38) घर से बिना बताए निकल गई।

फास्ट न्यूज

आगरा में महिला ने वीडियो बनाकर सुसाइड किया

आगरा। आगरा में एक महिला गले में फंदा लगाकर लटक गई। उसके पहले उसने मोबाइल से गले में फंदा कसने का वीडियो बनाया। पति और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। उसके बाद लटक गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति और सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शनिवार की है।

लव मैरिज करने वाले चचेरे भाई-बहन की लाश मिली

कानपुर। कानपुर में मंगलवार शाम करीब 4 बजे एक कमरे में पति-पत्नी की लाश मिली। पत्नी की लाश जमीन पर पड़ी थी, जबकि पति फंदे से लटका मिला। दोनों ने 4 महीने लव मैरिज की थी और शादी के बाद दिल्ली चले गए थे। 5 दिन पहले बर्रा-7 में किराए के कमरे में रहने आए थे। लड़की के घरवालों का कहना है कि रिश्ते में दोनों चचेरे भाई-बहन थे। दोनों ने परिवालों के खिलाफ जाकर शादी की थी। शुरुआती जांच में पुलिस पत्नी की गला दबाकर हत्या करने के बाद पति के आत्महत्या किए जाने की आशंका जता रही है।

भाजपा नेता के घर से मोबाइल लेकर भागा चोर

गाजियाबाद। गाजियाबाद के शालीमार गार्डन क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 7 बजे भाजपा नेता मान सिंह गोस्वामी के घर में घुसकर एक चोर मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गया। घटना उस समय हुई, जब मान सिंह गोस्वामी अपना मोबाइल टेबल पर रखकर दूसरे कमरे में गए थे। इसी दौरान चोर ने घर का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया और मोबाइल उठाकर भाग निकला।

यूपी में 2982 टीजीटी शिक्षकों का अंतिम चयन परिणाम घोषित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती विज्ञापन संख्या-01/2022 के तहत 14 विषयों के कुल 2,982 पदों का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परिणाम पूरी पारदर्शिता और नियमबद्ध प्रक्रिया के तहत जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि 15 विषयों के कुल 3,539 पदों के लिए लिखित परीक्षा 3 और 4 जून 2026 को आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा परिणाम के आधार पर 30 जून 2026 को डेढ़ गुना अभ्यर्थियों को अभिलेख परीक्षण के लिए सफल घोषित किया गया था। अब उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड नियमावली-1998 के नियम 12(8) के तहत 14 विषयों का अंतिम चयन परिणाम घोषित किया गया है।

इनमें हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू, शारीरिक शिक्षा, कृषि, संगीत गायन, संगीत वादन, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, संस्कृत, वाणिज्य एवं कला विषय शामिल हैं।

अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://upesc.up.gov.in/ पर अपना परिणाम, विषयवार-श्रेणीवार कट-ऑफ और प्राप्तांक देख सकते हैं। अभ्यर्थी अनुक्रमांक और जन्मतिथि डालकर एक सप्ताह तक अपने अंक देख सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियों का संस्था आवंटन नियमावली के नियम 12(10) के तहत अधिमानता क्रम के आधार पर किया जाएगा। अंग्रेजी विषय के 557 पदों का अंतिम परिणाम अभी घोषित नहीं किया गया है, क्योंकि अंतिम उत्तर कुंजी के विरुद्ध उच्च न्यायालय में याचिका संख्या-979/2026 विचाराधीन है। कोर्ट के निर्णय के बाद अंग्रेजी का परिणाम घोषित होगा।

पूर्व छात्रों को संस्थान से जोड़ने और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सशक्त मंच बनेगा एलुमनाई चैप्टर : गौरव अग्रवाल

एमआईईटी ने एनसीआर एलुमनाई चैप्टर का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) ने पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एमआई-ईटी एलुमनाई एनसीआर चैप्टर का भव्य शुभारंभ कंट्री इन एंड सुइट्स बाय रैडिसन, साहिबाबाद में किया। कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए और वर्षों बाद एक मंच पर मिलकर पुरानी यादें ताजा करने के साथ संस्थान के विकास में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

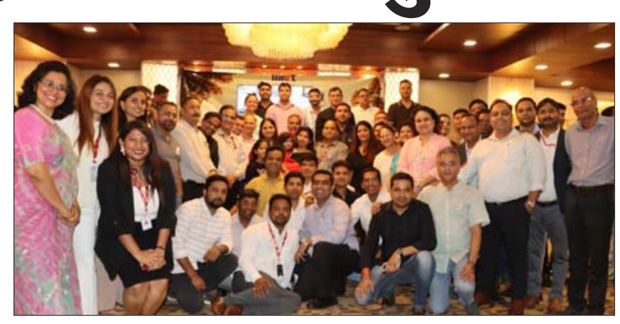

कार्यक्रम का शुभारंभ एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, मैनेजमेंट सदस्य ऊषा अग्रवाल एवं बरखा अग्रवाल, प्लेसमेंट डायरेक्टर आकांक्षा अग्रवाल तथा निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर संस्थान की छात्र सांस्कृतिक समितियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। साथ ही मनोरंजक खेलों एवं इंटरैक्टिव गतिविधियों में पूर्व छात्रों ने उत्साह-पूर्वक भाग लिया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने संस्थान और पूर्व छात्रों के बीच संवाद को और सशक्त बनाने, प्रोफेशनल नेटवर्किंग को बढ़ावा देने, विद्यार्थियों के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम संचालित करने तथा संस्थान के विकास में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान एमआईईटी एलुमनाई एनसीआर चैप्टर के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण किया गया। इसके पश्चात आयोजित एलुमनाई परिचय सत्र, नेटवर्किंग गतिविधियां, पूर्व छात्रों की रैंप वॉक एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

> कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमआईईटी एलुमनाई एनसीआर चैप्टर की नई कार्यकारिणी का गठन रहा। सर्वसम्मति से विनीत गुप्ता को अध्यक्ष, डॉ. प्यारे मोहन को सचिव तथा मयंक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया।

मां ने 3 साल के बेटे को मार डाला

मथुरा में प्रेमी से बात करने पर शोर मचाता था, एक महीने बाद कबूला जुर्म

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा में 3 साल के बेटे की मां ने गला दबाकर हत्या कर दी। प्रेमी से फोन पर बात करते समय बेटा शोर मचाता था। इससे नाराज होकर मां ने उसका गला दबा दिया। इसका खुलासा एक महीने बाद हुआ। बच्चे के पिता ने पत्नी और उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप लगाते हुए मंगलवार सुबह 9 बजे मुकदमा दर्ज कराया।

पति ने बताया- मेरे बेटे की 28 जून को मौत हुई थी। उस दिन पत्नी का फोन आया था कि पता नहीं कैसे बच्चे का गला दब गया है, वह उठ नहीं रहा। इसके बाद मैं घर पहुंचा और बेटे को अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टरों ने बेटे को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद हमने उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। लेकिन, बाद में मुझे पता चला कि पत्नी ने बेटे की हत्या की है। मामला बलदेव थाना क्षेत्र का है।

बलदेव में रहने वाले कृष्ण मुरारी गुप्ता मेडिकल शॉप चलाते हैं। घर पर पत्नी रुचि (32) और 3 साल का बेटा माधव रहता था। कृष्ण मुरारी ने बताया- 21 जून को पत्नी का मोबाइल देखने पर रोहित नाम के व्यक्ति का नंबर मिला। जानकारी करने पर पता चला कि वह मेरी ससुराल के बरारी गांव का रहने वाला है। पत्नी से उसकी लगातार बातचीत होती थी। शक होने पर मैंने पत्नी से पूछा, लेकिन उसने साफ जवाब नहीं दिया। बाद में जानकारी जुटाने पर पत्नी और रोहित के बीच अफेयर निकला। कृष्ण मुरारी ने बताया- 28 जून को रुचि और रोहित फोन पर बात कर रहे थे। तभी मेरा 3 साल का बेटा खेलते हुए शोर मचाने लगा। इस पर गुस्से में आकर रुचि ने बेटे का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस बारे में रुचि ने रोहित को भी बताया, लेकिन दोनों ने यह बात छिपाए रखी।

पुलिस ने अभी महिला को गिरफ्तार नहीं किया

पत्नी ने जब बेटे की हत्या करने की बात कबूल कर ली, तो कृष्ण मुरारी सोमवार को बलदेव थाने पहुंचे। वहां उन्होंने पत्नी रुचि और उसके प्रेमी रोहित के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति बोला- 7 साल से पत्नी का अफेयर था

कृष्ण मुरारी ने अपनी शिकायत में बताया- रुचि और रोहित के बीच पिछले 7 साल से अफेयर है। जबकि मेरी रुचि से शादी 6 साल पहले हुई थी। हमारे 2 बच्चे थे, जिनमें 5 साल की एक बेटी भी है। परिवार के सामने पूछताछ करने पर रुचि ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। रुचि ने बताया कि बेटा बहुत शोर मचाता था। उसे रोहित से बात करने में दिक्कत होती थी। जब भी बात करो, तो बेटा रोने लगता था। 28 जून को भी मैं रोहित से बात कर रही थी। बेटा डिस्टर्ब कर रहा था। गुस्से में आकर मैंने उसका गला दबा दिया। इसके बाद पति को फोन किया।

पति कृष्ण मुरारी ने बताया कि मेरी पत्नी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

'बीजेपी-आरएसएस' में दम है खुलकर कहे आरक्षण खत्म करेंगे'

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद पहुंचे यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि देश में राज कर रही भाजपा और आरएसएस छात्रों और शैक्षणिक संस्थाओं से नफरत करती है।

दिल्ली आंदोलन और जौहर यूनिवर्सिटी का जिक्र करते उन्होंने कहा कि इसीलिए ये सरकार छात्रों को कुचलने और शैक्षणिक संस्थाओं को तोड़ने पर आमादा है। राजेंद्र गौतम ने कहा कि भाजपा-आरएस-एस बार-बार आरक्षण के मुद्दे को तूल देने की कोशिश करते हैं, यदि इनके भीतर दम है तो ये खुलकर कहें कि वे आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। मुरादाबाद पहुंचे राजेंद्र पाल गौतम ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, पार्टी अगले एक महीने में यूपी में अपन संगठन खड़ा कर लेगी। इसके साथ ही कांग्रेस समाज के विभिन्न तबकों के बीच जाकर बातचीत करके उनके मुद्दों को समझने की कोशिश कर रही है, इसके बाद घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा, जिसका नाम जनता का घोषणा पत्र होगा। यूपी कांग्रेस प्रभारी बोले- मैं मुरादाबाद आने से पहले रामपुर होकर आया हूं। यूपी सरकार ने जिस तरह मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को तोड़ने की कोशिश की, वह निंदनीय है। लेकिन मुरादाबाद कमिश्नर ने इस पर स्टे देकर अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार को छात्रों से ही नहीं बल्कि शैक्षणिक संस्थाओं से भी नफरत है। इस सरकार ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है।

> मुरादाबाद में यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र गौतम बोले-इस सरकार को छात्रों और शैक्षणिक संस्थाओं से नफरत

पृष्ठ 01 का शेष...

'शिक्षा मंत्री रेपिस्ट...

मंगलवार को संसद में प्रियंका गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत एक घटना से की । जब मैं एक घायल छात्रा से मिलने गए, तो उसकी मां बोली- सुबह से बड़े-बड़े नेता आए। वह भी आए जिनकी वजह से बेटी का यह हाल हुआ। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं- क्या जरूरत थी, बच्ची पर ज्यादती करने की। देश के युवाओं पर पैलेट गन चलवाने की क्या जरूरत थी।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने छात्र प्रदर्शनका-रियों के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। प्रियंका गांधी ने पूछा कि छात्रों पर आंसू गैस के गोले क्यों छोड़े गए और लाठीचार्ज क्यों किया गया। क्या छात्रों के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है? उन्होंने युवा महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर भी नाराजगी जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा।

प्रियंका गांधी ने संसद में सरकार पर तीखा हमला करते हुए प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि हम बार-बार सवाल कर रहे हैं कि इस कार्रवाई की अनुमति किसने दी और क्या यह आदेश प्रधानमंत्री या गृह मंत्री की ओर से आया था। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के छात्र, उनके माता-पिता और शिक्षक इस मामले में जवाब चाहते हैं। संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक जवाबदेही का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं, शासक नहीं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल किया। ऐसे में उन्हें न्याय, पारदर्शिता और सम्मान मिलना चाहिए।

प्रियंका गांधी ने कहा, ₹इस सरकार ने रोजगार पैदा करने वाले सभी सेक्टरों को लगातार कमजोर किया है। पेपर लीक से करोड़ों छात्र प्रभावित हुए, लेकिन एक भी दोषी को सजा नहीं मिली। शिक्षण संस्थानों में संघ के प्रचारकों को भर-भरकर नियुक्त किया गया और संस्थाओं को खोखला बना दिया गया। एनटीए बनाकर परीक्षा प्रणाली का केंद्रीकरण कर दिया गया। हर साल शिक्षा बजट की हिस्सेदारी घटती चली गई। शिक्षा बजट उससे भी कम है, जितना पूंजीपतियों के लोन माफ किए गए हैं। सोचिए, सरकार की प्राथमिकता क्या है। उन्होंने आगे कहा, देश के युवाओं का भरोसा इस सिस्टम से टूट चुका है। भरोसा दोबारा बनाने के लिए उसी सिस्टम से जवाब नहीं ढूंढा जा सकता। इसके लिए सिस्टम के दायरे से बाहर निकलकर ठोस प्रयास करने पड़ते हैं।

अखिलेश बोले- छात्रों ...

अगर कोई प्राइवेट यूनिवर्सिटी बन गई, तो उसे हथौड़ा लेकर तोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अखिलेश ने करीब 25 मिनट तक लोकसभा में अपनी बात कही। वह जब भी सरकार पर हमला करते, तब-तब डिंपल यादव-इकरा हसन समेत बाकी सपा सांसद शेम-शेम कहते नजर आए।

हिमाचल के चंबा में ...

वह गर्ल्स हॉस्टल से अपने विभाग में पढ़ाई के लिए जा रही थी।

उधर, मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार शाम बिजली गिरने से 11 साल के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500km एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है।

डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है।

यूपी में प्रशासनिक ...

जौनपुर के नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को महोबा का एडीएम (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है। प्रधान प्रबंधक सहकारी चीनी मिल महिपाल सिंह को जौनपुर का नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। चंदौली के एसडीएम विनय सिंह को चीनी मिल संघ का प्रधान प्रबंधक बनाया गया है।

महेंद्र प्रताप को सुलतानपुर का मुख्य राजस्व अधिकारी, अंबेडकरनगर के एसडीएम राजेस कुमार को सहकारी चीनी मिल संघ भेजा गया है। राजस्व परिषद के ओएसडी सौजन्य कुमार विकास को बहराइच का एसडीएम बनाया गया। एडीएम नमामि गंगे हमीरपुर सुरेश कुमार सहारनपुर विकास प्राधिकरण का सचिव नियुक्त किया गया है।

नाबालिग...

2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

वकीलों को कैशलेस ...

इन परिसरों में सभी अदालतों और ट्रिब्यूनलों को एक ही छत के नीचे लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ये कॉम्प्लेक्स 25 से 30 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हैं और न्यायिक अधिकारियों के लिए आवासीय सुविधाओं पर भी काम शुरू हो चुका है।

योगी ने कहा कि जब इस परियोजना का प्रस्तुतीकरण देश के मुख्य न्यायाधीश के सामने किया गया तो उन्होंने इसे पूरे देश के लिए मॉडल बताया।

उन्होंने बेंच और बार के बीच बेहतर संवाद पर जोर देते हुए कहा कि आम नागरिक को सरल और सहज तरीके से न्याय मिलना चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़ी कैशलेस सुविधाएं जल्द लागू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में पहले दंगे और कर्फ्यू की स्थिति रहती थी, जबकि अब हर जनपद में महोत्सव आयोजित हो रहे हैं और उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल सरकार के प्रयासों से नहीं आया, बल्कि समाज के हर वर्ग के सहयोग से संभव हुआ है। शासन नीतियां लागू करता है, लेकिन उनका पालन समाज के सभी तबकों के सहयोग से ही होता है।

यादव और मुस्लिम ...

उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं अखिलेश यादव से संसद को सुचारु रूप से चलने देने की बात कही थी। उनके अनुसार यदि संसद सामान्य रूप से चलेगी तो सपा और कांग्रेस दोनों की राजनीति बेनकाब हो जाएगी।

राजभर ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान नकल कराने और नौकरियां बेचने का काम होता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून लाई है, जिसका सपा और उसके सहयोगी विरोध कर रहे हैं। उनके अनुसार इसका कारण यह है कि विपक्ष नकल माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं चाहता।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को ₹वंदे मातरम्₹ कहना चाहिए। यह उनका व्यक्तिगत और राजनीतिक मत है, जिसे उन्होंने अपने संबोधन के दौरान दोहराया।

छात्रों के खिलाफ...

सिब्बल ने CJP के बनाए फंड में एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। साथ ही देशभर के वकीलों से भी इस फंड में योगदान देने की अपील की है। उन्होंने कहा- मेरा रोल इस पार्टी के कानूनी मसलों में मदद करना है।

इससे पहले दिन में CJP प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को X पर लिखा था कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

सारांश जैन को मौका, जडेजा की वापसी, बुमराह पर फैसला फिटनेस के आधार पर

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हुआ ऐलान

घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

BCCI ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी हुई है। सारांश जैन टीम में नया चेहरा हैं। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को टीम में रखा गया है लेकिन उनका खेलना या ना खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। नीतीश कुमार रेड्डी अनफिट होने के कारण टीम में नहीं चुने गए हैं। वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग के चलते पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

स्पिन डिपार्टमेंट में रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव टीम में शामिल हैं। टेस्ट डेब्यू में 7 विकेट लेने वाले मानव सुथार भी टीम में हैं। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो के SSC मैदान पर होगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में भारत की यह पहली विदेशी टेस्ट सीरीज होगी। भारत फिलहाल WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें, जबकि श्रीलंका छठे स्थान पर है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं। श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। टीम ने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी, यानी उसे करीब 18 साल से भारत के खिलाफ सीरीज जीत का इंतजार है।

तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह (फिट होने पर), मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा पर होगी। श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मुकाबले में 10 विकेट लेने वाले गुरनूर बरार भी प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के मजबूत दावेदार हैं।

राहुल-जायसवाल करेंगे ओपनिंग, गिल नंबर-4 पर

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करेंगे। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। साई सुदर्शन के साथ देवदत्त पडिक्कल भी टीम का हिस्सा हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत संभालेंगे। ध्रुव जुरेल रिजर्व विकेटकीपर होंगे।

सारांश जैन को इंडिया-ए के प्रदर्शन का इनाम मिला

मध्य प्रदेश के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए के लिए दूसरे चार दिवसीय मैच में नाबाद 70 रन बनाने के अलावा 6 विकेट भी लिए थे।

ऑफ स्पिनर सारांश ने अब तक 54 फर्स्ट क्लास मैचों में 31.75 की औसत से 2,223 रन बनाए हैं। उन्होंने 188 फर्स्ट क्लास विकेट भी लिए हैं।

बिना खेले ही टीम इंडिया से आउट हो गया ये युवा

लिस्ट में एक ऑलराउंडर का नाम भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया अगले महीने श्रीलंका के दौरे पर जाएगी और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को टीम का एलान कर दिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए इकलौते टेस्ट मैच के लिए जो टीम चुनी गई थी उसके मुकाबले कुछ बदलाव देखने को मिले हैं।

श्रीलंका के खिलाफ भारत को पहला टेस्ट मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गॉल में खेलना है। वहीं दूसरा मैच कोलंबो में 23 से 27 अगस्त के बीच खेला जाना है। ये सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी।

हर्ष दुबे

बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे को टीम में जगह नहीं मिली है। वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम में चुने गए थे, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। श्रीलंका दौरे पर वह टीम में नहीं हैं। ऐसे में सेलेक्शन कमेटी ने बिना उन्हें परखे ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।

नीतीश कुमार रेड्डी

अफगानिस्तान के खिलाफ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में जगह मिली थी, लेकिन श्रीलंका दौरे पर उनका नाम टीम में नहीं है। इसका कारण चोट है। नीतीश को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में चोट लग गई थी। उनको क्वाड्रिसेप्स इंजुरी हुई है।

अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वॉश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

नई दिल्ली। भारत की 18 साल की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वॉश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट का पहला गोल्ड दिलाया।

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

गर्ल्स वर्ग में अनाहत के अलावा रुद्र सिंह, अनिका दुबे और शानवी कलंकी राउंड ऑफ-32 में बाहर हो गईं।

बॉयज वर्ग में आर्यवीर दीवान भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। वे प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। युशा नफीस और गुरवीर सिंह राउंड ऑफ-32, जबकि पुरव रामभिया राउंड ऑफ-64 में हार गए।

सीनियर PSA वर्ल्ड रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत की नजर अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर होगी, जहां पहली बार स्क्वैश को शामिल किया गया है।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरा गोल्ड

शर्मिला धनखड़ ने शॉट पुट में मेडल जीता, हाई जंप में सिल्वर जीतने वाले सर्वेश कुशारे पहले भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की शर्मिला धनकड़ ने सोमवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के पैरा शॉट पुट F57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर यह उपलब्धि हासिल की।

इसी इवेंट में भारत की शिल्पा के. शायला ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। शर्मिला से पहले रविवार को वेटलिफ्टिंग में मीरा बाई चानू ने 48 KG में गोल्ड जीता था।

F57 कैटेगरी में उन पैरा एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं या जिनकी मांसपेशियों की ताकत कम होती है।

भारत के मेडल टैली में कुल 10 मेडल हो गए हैं और टीम आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 26 गोल्ड सहित 59 मेडल के साथ पहले स्थान पर है। अन्य इवेंट्स में हाई जंप में सर्वेश कुशारे और वेटलिफ्टिंग के 79 किलोग्राम वर्ग में अजय बाबू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं, बिंदियारानी देवी ने 58 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, जबकि ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता।

शर्मिला धनखड़ ने घर बेचकर शुरू की ट्रेनिंग

शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के चित्रौली गांव की रहने वाली हैं। 2 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हो गई थीं, जिससे उनका एक पैर प्रभावित हो गया। पिता छोटे किसान थे और मां दृष्टिबाधित हैं। बेहतर इलाज नहीं हो सका। आर्थिक तंगी के बीच कम उम्र में उनकी शादी कर दी गई।

शर्मिला धनखड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद राष्ट्रीय ध्वज के साथ।

शर्मिला के लिए पैरा एथलेटिक्स का सफर आसान नहीं था। 34 साल की उम्र में उन्होंने कोच टेकचंद और देवेंद्र के मार्गदर्शन में F57 कैटेगरी के सीटेड शॉट पुट इवेंट की ट्रेनिंग शुरू की। आर्थिक तंगी इतनी थी कि 2023 में ट्रेनिंग का खर्च जुटाने के लिए उन्होंने अपना घर बेच दिया। इसके बाद परिवार किराए के मकान में रहने लगा, लेकिन शर्मिला ने अभ्यास नहीं छोड़ा।

मनोरंजन

पत्नी ईशा बोलीं- उनके पावर के डर से चुप थी, अब दिखावा नहीं कर सकती, 5 महीने पहले सीक्रेटली शादी की थी

बादशाह दूसरी बार लेंगे तलाक !

नई दिल्ली। पॉपुलर सिंगर और रैपर बादशाह की दूसरी शादी में अनबन की खबरें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी पत्नी ईशा रिखी ने हाल ही में एक पोस्ट में लिखा है कि वो अब तक बादशाह के पावर के डर से चुप थीं, लेकिन वो अब और दिखावा नहीं कर सकतीं। ईशा ने पोस्ट में तलाक का हिंट भी दिया था।

ईशा रिखी ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'कुछ लड़ाइयां ऐसी भी होती हैं, जिनके जख्म बाहर दिखाई नहीं देते। मैं बहुत लंबे समय तक चुप रही, क्योंकि मैं डरी हुई थी। मुझे लगता था कि मेरे पति के पास इतना इन्फ्लूएंस, पावर और रीसोर्स हैं कि उनके सामने मैं कुछ नहीं कर पाऊंगी। मैंने खुद को यही समझा लिया था कि चुप रहना ही मेरे लिए सबसे सुरक्षित रास्ता है।' आगे ईशा ने लिखा है, 'चुप्पी कभी स्वीकार नहीं की जाती, वह सिर्फ अपने अस्तित्व को बचाने की कोशिश थी। आज मैं डर नहीं, बल्कि हिम्मत को चुन रही हूं। शायद मैं अभी पूरी कहानी बताने के लिए तैयार नहीं हूं, लेकिन अब मैं यह दिखावा करना बंद करने के लिए तैयार हूं कि सब कुछ ठीक था।' वहीं एक ने लिखा, स्ट्रॉन्ग रहो, डर कर नहीं। एक करीबी ने लिखा, तुम बहुत स्ट्रॉन्ग और सुंदर हो।

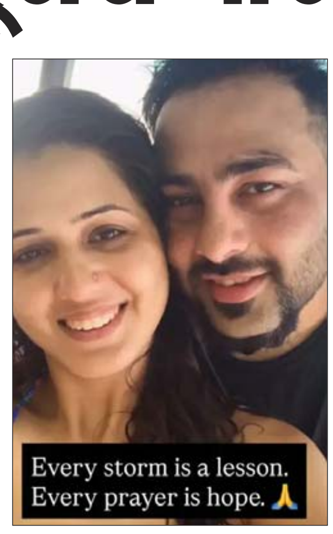

बादशाह के साथ शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं, लिखा- तूफान एक सबक है

इस क्रिप्टिक पोस्ट से कुछ दिन पहले ही ईशा ने बादशाह के साथ कुछ तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर लिखा था, कुछ तूफान, सबक लेकर आता है और हर दुआ उम्मीद। ईशा की इस पोस्ट पर करीबी दोस्त जैस्मिन भसीन ने कमेंट कर उन्हें मजबूत बने रहने की सलाह दी थी। बता दें कि ईशा रिखी की पोस्ट सामने आने के बाद कई करीबी और दोस्त उनके समर्थन में पोस्ट शेयर कर रहे हैं। एक करीबी ने लिखा है, ₹तुम जिस दौर से गुजर हो और अब भी गुजर रही हो, उसकी मैं गवाह हूं। मैं और तुम्हारे करीब रहने वाले बाकी लोग जानते हैं कि तुमने हर मुश्किल का सामना ईमानदारी, सच्चाई और पूरे आत्मसम्मान के साथ किया है। मजबूत बनी रहो, ईशा रिखी। हम तुम्हारे साथ हैं, और सच के साथ भी।

सिंगर और रैपर बादशाह ने मार्च 2026 में ईशा से गुपचुप शादी की थी। इंटिमेट वेडिंग में कपल के करीबी ही शामिल हुए थे। बादशाह ने शादी को राज रखा, हालांकि ईशा रिखी ने सोशल मीडिया में रोमांटिक तस्वीर पोस्ट कर इस पर कन्फर्मेशन दी।

वहीं ईशा ने एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए बादशाह को पति देव कहा था।

इससे पहले ईशा की मां ने उनकी और बादशाह की शादी की तस्वीरें पोस्ट कर दोनों को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दी थीं।

38 सालों से ढोलक की 'थाप' की जान बना हुआ देसी गीत

महिला संगीत में खूब बजता है मीनाक्षी का गाना

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा जगत में काफी लंबे समय से ऐसे गीत बनते आ रहे हैं, जो शादियों में लोगों की पहली पसंद बने रहते हैं। फिर चाहे वो डीजे प्लेलिस्ट के लिए हो या फिर महिला संगीत में ढोलक की थाप की शान बढ़ाने वाले क्यों न हो। इस आधार पर आज हम आपको अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि के 38 साल पुराने एक ऐसे कल्ट क्लासिक गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो महिला संगीत में लेडीज का फेवरेट माना जाता है। आज भी इस देसी गीत को खूब सुना जाता है। आइए जानते हैं कि यहां कौन से गाने के बारे में जिक्र किया जा रहा है।

शादी समारोह की शोभा बढ़ाने वाले हिंदी फिल्म के गानों के बारे में बात की जाए तो फेहरिस्त काफी ज्यादा लंबी है। लेकिन उनमें से कुछ चुनिंदा सॉन्ग्स ऐसे रहे हैं, जो समय के साथ-साथ कालजयी बन गए। उनमें से एक गीत अमिताभ बच्चन, जया प्रदा, मीनाक्षी शेषाद्रि और मिथुन चक्रवर्ती स्टारर फिल्म गंगा जमुना और सरस्वती से नाता रखता है, उस गाने के बोल हैं- साजन मेरा उस पार है... ।

इस गाने को मूल रूप से एक चलती ट्रेन में मीनाक्षी शेषाद्रि पर फिल्माया गया है। इसमें आपको अमिताभ बच्चन और जया प्रदा की झलक भी देखने को मिलेगी। गंगा जमुना सरस्वती फिल्म का साजन मेरा उस पार है... गाना 38 साल बाद भी कल्ट है और इसे काफी पसंद किया जाता है।

लिखा- नशा, शराब, कई आदमियों से यौन संबंध बनाना इनके लिए आजादी, हाउसवाइफ तक नहीं बन सकतीं

कंगना ने नई जनरेशन की महिलाओं को कहा गटर छाप

नई दिल्ली। सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने नई पीढ़ी की भारतीय महिलाओं को गटर कहा है। कंगना का कहना है कि ये महिलाएं स्वतंत्र महिलाओं की नकल उतारते हुए नशे करने, शराब पीने और अनगिनत आदमियों से यौन संबंध बनाने को स्वतंत्रता कहती हैं। कंगना ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से लिखा है, 'सबसे शर्मनाक बात उन युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है, जो स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को नहीं निभाना चाहतीं। असल में स्वतंत्र महिलाएं विद्रोही फैसले लेती हैं, बेबाक राय रखती हैं, परंपराओं से हटकर करियर चुनती हैं और अपने हर फैसले की पूरी जिम्मेदारी भी उठाती हैं। उन्हें अपने कर्मों की कीमत खुद चुकानी पड़ती है। वे अपने माता-पिता या परिवार की कीमत पर ऐसा नहीं करतीं।' आगे कंगना ने लिखा, 'आज तथाकथित वेस्टर्न सोच से प्रभावित भारतीय महिलाओं की एक नई पीढ़ी सामने आई है। मैं इन्हें 'गटर जेनरेशन' कहती हूं। इनमें से कुछ के पास समाज को देने के लिए कुछ भी नहीं है। वे पढ़ाई में अच्छी नहीं हैं, लेकिन इतनी बदसूरत सोच और भ्रष्ट मानसिकता रखती हैं कि अच्छी हाउसवाइफ भी नहीं बन सकतीं।'

स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर कहा था- कैसी परवरिश हो रही है

भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने सोमवार को स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर भी विवादित राय दी और नई जनरेशन की परवरिश पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया से लिखा, 'अपनी पूरी जिंदगी में मैंने कभी इतनी बदसूरती एक साथ नहीं देखी। Gen Z के विरोध-प्रदर्शनों की ये रीलें देखकर घिन आती है। इन लोगों के बोलने का तरीका और जिस भाषा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हर फ्रेम इतना अजीब और परेशान करने वाला है कि देखकर घिन होती है। आखिर इन्हें जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है?'

कंगना रनोट ने सोशल मीडिया के जरिए स्टूडेंट प्रोटेस्ट का जमकर विरोध किया था। उन्होंने कहा कि किसी को पद से हटाने या रखने के लिए सरकार पर दबाव बनाना गलत है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मुद्दों पर बहस के लिए संसद सही जगह है, न कि आंदोलन।

जापान के कुमामोटो में 7.1 तीव्रता का भूकंप

अलर्ट

सुनामी की चेतावनी जारी, 10 किमी की गहराई में केंद्र था

टोक्यो, एजेंसी

जापान के दक्षिण द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) ने सुनामी की एडवाइजरी जारी की है।

JMA के मुताबिक, भूकंप का केंद्र कुमामोटो तट के पास समुद्र में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। तेज झटकों के बाद तटीय इलाकों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है और लोगों से आधिकारिक निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

कुमामोटो प्रीफेक्चरल म्यूजियम ऑफ आर्ट ने बुधवार को बंद रहने का ऐलान किया है। संग्रहालय प्रशासन ने कहा कि यह फैसला सुरक्षा के एहतियाती कदम के तौर पर लिया गया है।

भूकंप के बाद कुमामोटो कैसल की दीवार ढही

जापान के कुमामोटो में आए भूकंप के बाद ऐतिहासिक कुमामोटो कैसल की पत्थर की दीवार का एक हिस्सा ढह गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दीवार का हिस्सा पास के जलाशय में गिरता दिखाई दे रहा है।

कुमामोटो कैसल जापान के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में गिना जाता है। इससे पहले 2016 के कुमामोटो भूकंप में भी इस किले को भारी नुकसान पहुंचा था।

सुनामी अलर्ट जारी होने के बाद जापान के प्रशासन ने प्रभावित तटीय इलाकों में तत्काल निकासी के आदेश जारी किए हैं। अरियाके और यात्सुशिरो सागर के लिए एडवाइजरी लागू है। प्रशासन ने लोगों से कहा है कि समुद्र और तटीय इलाके खतरनाक हैं। तुरंत तट से दूर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

> जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप आने वाले देशों में है। यहां हर साल 1,500 से ज्यादा भूकंप दर्ज होते हैं। इसके बावजूद बड़े भूकंपों में दूसरे देशों की तुलना में नुकसान कम होता है। इसकी वजह भूकंप-रोधी इमारतें, तुरंत मिलने वाली चेतावनी, लोगों को नियमित तैयारी और मजबूत राहत व्यवस्था है।

48 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे हुए या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत इसकी सूचना देने को कहा है।

भूकंप के बाद ऐतिहासिक कुमामोटो कैसल की पत्थर की दीवारों का एक हिस्सा ढह गया।

जापान सबसे ज्यादा भूकंप वाले देशों में शामिल

जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं।

फ्रांस में जंगलों की आग के दौरान पहली बार बने 'फायर क्लाउड'

यूरोप में दुर्लभ घटना, जलवायु परिवर्तन से जुड़ी

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के जंगलों में लगी भयानक आग के दौरान अग्निशमन कर्मियों का सामना एक ऐसी खतरनाक घटना से हुआ जिसे उनमें से कई ने पहले कभी नहीं देखा था। यह घटना है पाइरोक्यूम्यलोनिम्बस या फायर क्लाउड (आग वाला बादल)।

आग से बनने वाले ये बादल बड़ी आग या ज्वालामुखी फटने से निकलने वाली तेज गर्मी से बनते हैं। इनसे बिजली कड़कती है व जलते हुए अंगारे निकलते हैं जिनसे और आग लग सकती है। साथ ही इनसे तेज एवं अनिश्चित हवाएं चलती हैं जो आग को और भड़काती हैं व अंगारों को फैलाती हैं।

लेकिन इनसे बारिश शायद ही कभी होती है। गिरोंडे इलाके में फायर और इमरजेंसी सर्विस के निदेशक मार्क वर्म्यूलेन ने रविवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि वीकेंड के दौरान फ्रांस के सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों में से एक में एक फायर क्लाउड की वजह से और आग लग गई।

फ्रांस के नेशनल फायरफाइटर्स फेडरेशन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एरिक ब्रोकार्डी ने एएफपी को बताया, हालांकि कनाडा और आस्ट्रेलिया में इस तरह की आग अक्सर लगती रहती है, लेकिन फ्रांस में यह पहली बार हुआ है।

फायर क्लाउड की घटना अग्निशमन कर्मियों के लिए बहुत बड़ी चुनौतियां पैदा करती है। नासा के अनुसार, ये बादल आग बुझाने की कोशिशों में रुकावट डालते हैं और समुदायों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

फास्ट न्यूज

फ्रांस में इन्फोसिस पर 2 करोड़ का जुर्माना

फ्रांस । श्रम अधिकारियों ने इन्फोसिस पर 1.75 लाख यूरो यानी करीब 2 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी की कर्मचारियों के काम के घंटे रिकॉर्ड करने वाली प्रणाली कानूनी जरूरतों के मुताबिक नहीं पाई गई। यह जुर्माना फ्रांस की रिजनल लेबर अथॉरिटी DRIEETS इले-डी-फ्रांस ने लगाया है। इन्फोसिस ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस मामले की जानकारी दी है।

चांदी 6,543 गिरकर 2.18 लाख पर आई

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 28 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 6,543 रुपए सस्ती होकर 2.18 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,907 रुपए गिरकर 1.43 लाख रुपए पर आ गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

सेंसेक्स 69 अंक गिरकर 76,765 पर बंद हुआ

मुंबई। शेयर बाजार में मंगलवार, 28 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 69 अंक की गिरावट के साथ 76,765 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 10 अंक गिरा, ये 23,985 के स्तर पर बंद हुआ। FMCG और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली रही।

ब्रेंट क्रूड के दाम में आज करीब 2.5% की गिरावट है।

'बयानबाजी में दिलचस्पी नहीं, यहूदियों की सुरक्षा प्राथमिकता'

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी का नेतन्याहू पर टिप्पणी से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि वह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ किसी भी तरह की जुबानी जंग में पड़ने के इच्छुक नहीं हैं। नेतन्याहू ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को लेकर ममदानी की पिछली टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की थी, साथ ही उन पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया था। ब्रुकलिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से इस पर सवाल किया गया, तो उन्होंने मामले को ज्यादा तूल न देते हुए अपना रुख साफ किया। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ब्रुकलिन में सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मेयर ममदानी ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ किसी बयानबाजी में पड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा, मैं बस इतना कहूंगा कि यहां न्यूयॉर्क शहर में मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक यहूदी नागरिकों को सुरक्षित रखना और हर एक न्यू यॉर्कर की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हम जानते हैं कि भले ही यहूदी नागरिक न्यूयॉर्क की आबादी में अल्पसंख्यक हैं, लेकिन वे घृणा अपराधों के शिकार लोगों में बहुसंख्यक हैं, और यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ममदानी से यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत में अपनी उस मांग का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर नेतन्याहू न्यूयॉर्क आते हैं तो शहर को ICC के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लेना चाहिए।

अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा, लंबे समय की आर्थिक तंगी से दिमाग की क्षमता घटती है

आर्थिक तंगी के कारण समय से पहले बूढ़ा हो रहा दिमाग

- 53 की उम्र तक सोचने-समझने की शक्ति कम हो जाती है।
- आर्थिक तनाव डिमेंशिया और दिमाग की सिकुड़न का कारण।

लंदन, एजेंसी

लोगों के जीवन में पैसा बहुत मायने रखता है, लेकिन पैसा ही सबकुछ हो, ये जरूरी नहीं। एक नई स्टडी में जानकारी सामने आई है कि जो लोग पैसे को लेकर ज्यादा तनाव में रहते हैं, उनके दिमाग पर काफी गहरा असर पड़ता है। स्टडी में पाया गया है कि पैसे के कारण लगातार होने वाली चिंताएं दिमाग की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर असर डाल सकती हैं। यूनाइटेड किंगडम में इस स्टडी के लिए 2,759 लोगों पर सर्वे किया गया। डेटा के विश्लेषण से पता चला कि 53 साल की उम्र तक, जिन लोगों ने अपनी जिंदगी में आर्थिक तंगी का सामना किया था, उनकी सोचने-समझने की क्षमता (कॉग्निटिव फंक्शन) उन लोगों की तुलना में कम थी, जिन्होंने पैसे की कोई दिक्कत नहीं झेली थी। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के रिसर्चर जैक्स वेल्स ने कहा, 'कई सालों तक लगातार मुश्किलों का सामना करना खराब कॉग्निटिव हेल्थ से जुड़ा है, न कि कभी-कभार आने वाली मुश्किलों से।' स्टडी में पता चला कि जिन लोगों ने जवानी में लगातार पैसे की तंगी या कम आय का सामना किया, 53 साल की उम्र तक पहुंचने पर उनकी सोचने-समझने की शक्ति कम होती चली गई। वहीं 71 साल की उम्र तक उनके दिमाग में काफी सिकुड़न (ब्रेन एट्रोफी) देखी गई। स्टडी में बताया गया है कि आर्थिक तंगी को लंबे समय तक चलने वाली समस्या बनने से अगर रोक लिया जाए तो उम्र बढ़ने से जुड़ी सोचने-समझने की क्षमता में कमी और डिमेंशिया जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकता है।

> रिसर्चर्स ने यह भी पाया कि इन लोगों में 53 से 69 साल की उम्र के बीच वर्बल मेमोरी (शब्दों को याद रखने की क्षमता) में गिरावट की दर धीमी थी, जिससे पता चलता है कि इन लोगों का पहले ही सोचने-समझने की क्षमता में काफी नुकसान हो चुका था।

क्या है इसके पीछे का कारण?

रिसर्चर्स के मुताबिक, इस संबंध का कारण यह हो सकता है कि आर्थिक तंगी की वजह से दिमाग पर सोचने-समझने का बोझ ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे ध्यान देने और फैसला लेने जैसी प्रक्रियाओं में असर पड़ता है और दिमाग की क्षमता कम हो जाती है। स्टडी में यह भी पाया गया कि उम्र बढ़ने के साथ दिमाग पर आर्थिक तनाव का असर पुरुषों, मुश्किल बचपन वाले लोगों और अल्जाइमर के जेनेटिक रिस्क वाले लोगों पर काफी ज्यादा बुरा होता है।

बेलारूस की डेंटिस्ट सबसे बड़ी दावेदार, एपस्टीन ने मरने से पहले आखिरी कॉल उन्हें किया था

यौन अपराधी एपस्टीन की करोड़ों की संपत्ति किसे मिलेगी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

दुनिया के सबसे कुख्यात यौन अपराधियों में शामिल जेफ्री एपस्टीन की मौत को सात साल हो चुके हैं, लेकिन उसकी अरबों रुपए की संपत्ति को लेकर विवाद अब भी जारी है।

अमेरिकी जांच एजेंसियों के नए दस्तावेजों से पता चलता है कि बेलारूस की 37 वर्षीय डेंटिस्ट कारिना शुलियाक उसकी संपत्ति की सबसे बड़ी दावेदार हो सकती हैं।

दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने अपनी वसीयत में कारिना के नाम करीब 959 करोड़ रुपए की संपत्ति और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी छोड़ी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कारिना शुलियाक एपस्टीन की गर्लफ्रेंड थीं। 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या से पहले एपस्टीन ने आखिरी फोन कॉल भी उन्हें ही किया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, दोनों की मुलाकात एक महिला ने कराई थी। उस महिला ने बताया कि उसने समय-समय पर दूसरी युवा महिलाओं को भी एपस्टीन के पास लाने के लिए कहा जाता था।

न्यूयॉर्क टाइम्स को डॉ. शुलियाक की एक पुरानी दोस्त ने बताया कि वह एपस्टीन से प्यार करती थीं। (सोर्स- अमेरिकी न्याय विभाग)

21 साल की उम्र में एपस्टीन से मिली थीं कारिना

जांच रिकॉर्ड के मुताबिक, मार्च 2011 के आखिर में डॉ. कारिना शुलियाक की मुलाकात जेफ्री एपस्टीन से हुई थी। तब वह 21 साल की थीं और न्यूयॉर्क आए उन्हें सिर्फ नौ महीने हुए थे। वह बेलारूस से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका आई थीं, ताकि डेंटिस्ट की पढ़ाई पूरी कर सकें। उस समय एपस्टीन फ्लोरिडा में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर चुका था। उस

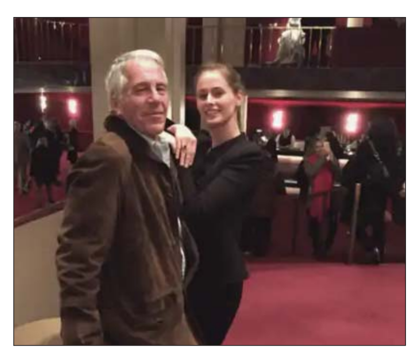

दोनों के प्राइवेट ईमेल और तस्वीरें सार्वजनिक हुईं

जेफ्री एपस्टीन की 2019 में मौत के बाद डॉ. कारिना शुलियाक लोगों की नजरों से दूर रहकर सामान्य जिंदगी जी रही थीं। हालांकि, यह ज्यादा समय तक नहीं चल सका। जनवरी के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, ईमेल और रिकॉर्ड जारी किए। इनमें डॉ. कारिना शुलियाक और एपस्टीन के बीच हुए हजारों निजी ईमेल और दोनों की साथ में ली गई कई तस्वीरें भी शामिल हैं।

इन दस्तावेजों से दोनों के करीब 8 साल पुराने रिश्ते का खुलासा हुआ। रिकॉर्ड के मुताबिक, बेलारूस में जन्मीं कारिना शुलियाक ने कभी खुद को एपस्टीन की पीड़िता नहीं बताया।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था।

इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था।

इधर, न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (MeitY) ने Meta (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है।

> कहा- तकनीकी गड़बड़ी से हटा, पीएम ने 23 जुलाई को छात्रों को मैसेज दिया था

23 जुलाई की रात 12 बजे X हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा-पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए, पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

इजाफा : सरकार को नहीं पता अरबपतियों के पास कितनी संपत्ति, दावा- बेरोजगारी और गरीबी घटी

देश में 576 अरबपति, 5 साल में चार गुना बढ़े

जयपुर, एजेंसी

देश में पिछले पांच साल में अरबपतियों की संख्या में चार गुना से ज्यादा का इजाफा हुआ है। साल 2021-22 में 142 अरबपति थे। 2025-26 में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 576 हो गई है। सरकार ने अरबपतियों की संख्या बताई है, लेकिन अलग-अलग अरबपतियों की कुल आय का ब्योरा नहीं दिया है। दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारीलाल मीणा के सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि आयकर एक्ट में अरबपति शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। लेकिन आयकर विवरण (ITR) में सालाना 100 करोड़ या इससे ज्यादा की आय दिखाने वालों का ब्योरा दिया है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के श्रम बाजार कोविड-पूर्व स्तर से बेहतर स्थिति में हैं। 15 साल और इससे ज्यादा उम्र के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 2022 के 3.6% से घटकर 2025 में 3.1% हो गई है।

नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के निष्कर्ष बताते हैं कि साल 2015-16 और 2019-21 के बीच देश में बहुआयामी गरीबी का अनुपात 24.85% से घटकर 14.96% रह गया है। इस अवधि में लगभग 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं।

सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपति का ब्योरा नहीं

सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपति का ब्योरा नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि सरकार के पास करदाताओं की कुल संपति का कोई आधिकारिक या संकलित डेटा नहीं है। इसका कारण यह है कि संपति कर अधिनियम, 1957 को एक अप्रैल 2016 से खत्म कर दिया गया।

दौसा से कांग्रेस MP ने लोकसभा में सवाल लगाया था।

घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम

जवाब के अनुसार, घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम हो रहा है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गिनी गुणांक (लोगों के बीच आय या धन की असमानता) 0.237 और शहरी क्षेत्रों के लिए 0.284 दर्ज किया गया है। यह 2022-23 के आंकड़ों से कम है, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है।

अमेरिका में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को पति ने उतारा मौत के घाट

बच्चों के प्रति यौन आकर्षण का लगाया था आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सारा गिलसन की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या कर दी और खुद भी आत्महत्या कर ली। सारा का पति उससे अलग रह रहा था। दो हफ्ते पहले ही सारा ने अपने पति पर बच्चों के प्रति यौन आकर्षण (पीडोफाइल) होने का आरोप लगाया था। पुलिस ने बताया कि 43 साल की सारा गिलसन (जिन्हें सारा डफी के नाम से भी जाना जाता था) और उनके अलग रह रहे पति 48 साल के जेरेमिया शॉन डफी गुरुवार रात ओक्लाहोमा के तुलसा के पास कॉलिन्सविले में अपने घर पर मृत पाए गए। सारा को गोली लगी थी। जांच करने वालों का मानना है कि डफी ने खुदकुशी करने से पहले गिलसन को गोली मारी थी। मामले की जांच अभी चल रही है।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ये मौतें उस घटना के कुछ हफ्ते बाद हुईं जब गिलसन ने 10 जून को डफी को घर से दूर रखने के लिए सुरक्षा आदेश की मांग की थी। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उसी दिन एक और महिला ने भी सुरक्षा आदेश के लिए अर्जी दी। महिला का आरोप था कि डफी ने उसकी टीनएज बेटी के साथ गलत व्यवहार किया था। द ओक्लाहोमन की रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी दस्तावेजों में बताया गया है कि यूथ बास्केटबॉल के एक साथी कोच ने डफी को लड़की को चूमते और गलत तरीके से छूते हुए देखा था। यह भी दावा किया गया है कि बाद में उस टीनएजर ने अपनी मां को बताया कि डफी ने उसे गलत टेक्स्ट मैसेज भेजे थे, बास्केटबॉल ट्रिप के दौरान उसे अपने होटल के कमरे में बुलाया था और उसे चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म० न० 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96